Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 07, अंक 17 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, शुक्रवार 02 मई 2025 www.samaydarshan.in

मुख्यमंत्री साय ने रायपुर और बिलासपुर के डे-स्कॉलर विशेष बच्चों के लिए नि:शुल्क बस सेवा का किया शुभारंभ

दृष्टि एवं श्रवण बाधित बच्चों के लिए शिक्षा का सफर अब होगा आसान : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास परिसर से दृष्टि एवं श्रवण बाधित बच्चों को एक बड़ी सौगात देते हुए दो विशेष बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये बसें रायपुर और बिलासपुर स्थित शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधित विद्यालयों में अध्ययनरत डे-स्कॉलर बच्चों को प्रतिदिन नि:शुल्क घर से स्कूल और स्कूल से घर तक पहुंचाएंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह सुविधा विशेष बच्चों के लिए न केवल सुगम और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करेगी, बल्कि उनके आत्मविश्वास, शिक्षा की निरंतरता और सामाजिक समावेश को भी मजबूती प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा कि यह पहल उन माता-पिता के लिए भी राहत लेकर आएगी, जो अपने बच्चों की दैनिक आवाजाही को लेकर चिंतित रहते हैं, विशेष रूप से जब दोनों अभिभावक कार्यरत हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि हर विशेष आवश्यकता वाले बच्चे तक पहुँचा जाए और उन्हें एक बेहतर जीवन देने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। यह बस सेवा केवल परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि विशेष बच्चों के जीवन में बदलाव लाने का माध्यम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा तक पहुंच सभी बच्चों का अधिकार है और सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि किसी भी शारीरिक बाधा के कारण कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

उल्लेखनीय है कि इन विशेष बसों के संचालन से रायपुर और बिलासपुर के सैकड़ों दृष्टि एवं श्रवण बाधित बच्चों को प्रतिदिन सम्मानजनक और सुरक्षित यात्रा का अवसर मिलेगा, जिससे वे मुख्यधारा की शिक्षा से सहज रूप से जुड़ सकेंगे।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक भूलन सिंह मरावी एवं समाज कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

हर युवा के चेहरे की चिंता हमने पढ़ी, हर परिवार की पीड़ा हमने समझी और उसका समाधान करने का किया प्रयास : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल से छत्तीसगढ़ के 26 सौ से अधिक बीएड अर्हताधारी बर्खास्त सहायक शिक्षकों के जीवन में खुशियां लौट आई है। प्रदेश सरकार ने बर्खास्त शिक्षकों को सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के पद पर समायोजन करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इस फैसले से राज्य के 2600 से अधिक युवाओं का भविष्य एक बार फिर संवर गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज मुख्यमंत्री निवास में बर्खास्त सहायक शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को ग़जमाला पहनाकर उनके प्रति कृतज्ञता जताई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस मौके पर सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं और उनसे अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों का और देश का भविष्य गढ़ना शिक्षकों का सबसे बड़ा कर्तव्य है। आप सभी अपने दायित्व के प्रति सचेत हों और इस भूमिका में सर्वोच्च योगदान दें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार ने शिक्षकों की चिंता पहले दिन से की थी। आप हमारे प्रदेश के बच्चें है और आपके भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प हमने पहले से ले लिया था। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह कदम छत्तीसगढ़ के भविष्य निर्माताओं को नया संबल देगा और शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाएगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि ये युवा शिक्षक आने वाले वर्षों में प्रदेश की नई पीढ़ी को दिशा देंगे और छत्तीसगढ़ को विकास के पथ पर अग्रसर करने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह निर्णय शिक्षकों के उज्जवल, सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य की एक नई शुरुआत है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी के साथ आपके नौकरी के संबंध में लगातार चर्चा होती थी। हमारे मुखिया इतने संवेदनशील है कि उन्होंने पहले ही दिन कहा था कि जितना भी आर्थिक बोझ पड़े राज्य सरकार अपने युवाओं के भविष्य को खतरे में नहीं डालेगी। उन्होंने कहा कि आपके परिजन भी लगातार हमसे संपर्क कर अपनी चिंता व्यक्त करते थे और आज मुख्यमंत्री ने उन सभी की चिंता को दूर करते हुए अपना वादा निभाया। मुख्यमंत्री जी ने न केवल अपना वादा निभाया है बल्कि अपनी इच्छा शक्ति से सुशासन को स्थापित करने का कार्य किया है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के इस ऐतिहासिक निर्णय ने पूरे देश में मिसाल कायम की है। इस अवसर पर युवाओं ने कहा कि नौकरी जाने के बाद वे अपने भविष्य को लेकर गहरी आशंका में थे और लगातार मानसिक पीड़ा झेल रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता ने उन्हें संबल दिया। शिक्षकों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने हर बार उनकी बात सुनी और भरोसा दिलाया कि सरकार उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने हमसे वादा किया था कि हमारे बेटे-बेटियों का भविष्य सुरक्षित किया जाएगा और आज उन्होंने अपना वादा निभाकर एक अभिभावक की जिम्मेदारी पूरी की है।

नहीं थम रहा लोगों का गुस्सा, पर्यटक लौटने को मजबूर, रेस्टोरेंट-दुकानें सब बंद

नैनीताल(एजेंसी)। नैनीताल में नाबालिग से बुजुर्ग के दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद लोगों का गुस्सा ऐसा फूटा कि लोग सड़क पर ही बदला लेने के लिए आमादा हो गए। दूसरे दिन भी शहर वासियों में आक्रोश है। कई संगठनों के साथ ही जिला कोर्ट के अधिवक्ताओं ने भी घटना के विरोध में सड़क पर उतरकर जुलूस निकाला। तल्लीताल पहुंची संयुक्त मजिस्ट्रेट वरुणा अग्रवाल, आक्रोशित जनता ने कमिश्नरी में पहुंचकर कमिश्नर दीपक रावत को ज्ञापन सौंपा।

वहीं, नैनीताल में लॉकडाउन जैसा माहौल है, पर्यटक लौटने को मजबूर हो रहा है। शहर में रिक्शा संचालन, रेस्टोरेंट व दुकानें भी बंद हैं। वहीं, बच्ची से दरिंदगी के आरोपी को हल्द्वानी जजी कोर्ट में पेश किया गया। पेशी के दौरान आरोपी को देख अधिवक्ताओं ने हंगामा किया। आरोपी को कोर्ट तक ले जाने में पुलिस के पसीने छूट गए।

सभी सरकारें श्रमिक वर्गों के प्रति अपना संवैधानिक दायित्व जरूर निभाएं : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम मायावती ने कहा कि सभी सरकारें भी मजदूरों और श्रमिक वर्गों के प्रति अपना संवैधानिक दायित्व जरूर निभाएं।

बसपा प्रमुख मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज के आधुनिक युग में जब सरकारी स्तर पर भी व्यवसायीकरण अपने चरम पर है और श्रम, श्रमिकों व मजदूरों के महत्व को अत्यंत कम करके आंके जाने की परंपरा है, किंतु उस वर्ग का हर स्तर पर शोषण जारी रहने के कारण मजदूर दिवस का उद्देश्य व भूमिका हमेशा की तरह आज भी प्रासंगिक व आवश्यक।

उन्होंने आगे लिखा, अतः देश के करोड़ों मजदूरों व श्रमिक वर्ग में भी खासकर महिला समाज को, अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस की बधाई एवं उन्हें अपने मानवीय हक के लिए लगातार संघर्ष करते रहने में सफलता की शुभकामनाएं। सभी सरकारें भी मजदूरों व श्रमिक वर्गों के प्रति अपना संवैधानिक दायित्व जरूर निभाएं।

आतंकी तहव्वुर राणा के वॉइस सैंपल का लिया जाएगा नमूना, कोर्ट ने दी इजाजत

नईदिल्ली (एजेंसी)। पटियाला हाउस कोर्ट ने 26/11 आतंकवादी हमले के आतंकी तहव्वुर राणा की वॉइस सैंपल और लिखावट के नमूने लेने की इजाजत दे दी है। एनआईए ने कोर्ट में अर्जी इसे लेकर अर्जी दाखिल की थी, जिसमें एनआईए ने तहव्वुर राणा की वॉइस सैंपल और लिखावट के नमूने लेने की इजाजत मांगी थी। बता दें कि आतंकी तहव्वुर राणा फिलहाल 12 दिन की एनआईए की हिरासत में है। बता दें कि इससे पहले एनआईए कोर्ट ने 26/11 आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा की हिरासत 12 दिन के लिए बढ़ा दी थी। बता दें कि तहव्वुर राणा को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से ले जाया गया था। यहां राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कोर्ट ने उसकी हिरासत अवधि 12 दिन के लिए बढ़ा दी।

26/11 मुंबई हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में तहव्वुर हुसैन राणा अहम नाम है। उसे मुंबई हमले के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली का करीबी माना जाता है। हेडली और राणा स्कूल के समय से दोस्त थे। हेडली ने बाद में स्वीकार किया था कि वह लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम कर रहा था। इस आतंकी हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। पाकिस्तान में ट्रेनिंग लेकर आए 10 आतंकियों ने आधुनिक हथियारों से लैस होकर मुंबई में भीड़भाड़ वाली जगहों को निशाना बनाया था।

अस्थायी रूप से बंद किया कराची और लाहौर का हवाई क्षेत्र

भारत की कार्रवाई से सहमा पाकिस्तान

इस्लामाबाद(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से लगातार की जा रही कार्रवाई से पाकिस्तान बौखला गया है। गुरुवार को पाकिस्तान ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए पूरे मई महीने के सभी दिन सीमित समय के लिए कराची और लाहौर के हवाई क्षेत्रों के कुछ हिस्सों को बंद करने की घोषणा की है।

सुबह चार से आठ बजे तक बंद रहेगा हवाई क्षेत्र

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और इस्लामाबाद के बीच बढ़े तनाव और नई दिल्ली की तरफे से जवाबी कार्रवाई की आशंका के बीच पाकिस्तान के विमानन अधिकारियों की तरफसे यह घोषणा की गई है। एक स्थानीय समाचार पत्र ने एक आधिकारिक नोटिस का हवाला देते हुए कहा, प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र 1 मई से 31 मई के बीच स्थानीय समयानुसार प्रतिदिन सुबह 4:00 बजे से सुबह 8:00 बजे तक बंद रहेगा।

पाकिस्तानी नागरिक विमानन प्राधिकरण (सीएए) ने कहा कि बंद होने से वाणिज्यिक उड़ान संचालन में कोई खास बाधा नहीं आएगी, क्योंकि प्रतिबंधित घंटों के दौरान विमानों को वैकल्पिक उड़ान मार्गों के माध्यम से भेजा जाएगा।

वहीं एक दिन पहले भारत ने बुधवार को एक बड़ा कदम उठाते हुए नोटम (नोटिस टू एयरमैन) जारी किया है। नोटम के तहत भारत ने 30 अप्रैल से 23 मई 2025 तक अपने एयरस्पेस को सभी पाकिस्तानी यात्री विमानों और सैन्य विमानों के लिए बंद कर दिया गया है। नोटिस टू एयर मिशन सिस्टम एक तरह की संचार व्यवस्था है, जिसकी मदद से फ्लाइट में मौजूद केबिन क्रू के लोगों के लिए अहम सूचनाएं भेजी जाती हैं। यह बेहद गोपनीय सूचना तंत्र है, जिसमें सेंध लगाना बेहद मुश्किल काम है।

जातीय जनगणना के लिए सरकार ने शुरू की तैयारी, एआई का भी होगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत में एक बार फिर जाति जनगणना को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं. दरअसल केंद्र सरकार की ओर से ये साफ कर दिया गया है कि देश में जाति जनगणना करवाई जाएगी. सरकार की ओर से इस पूरी प्रक्रिया को वर्ष 2026 तक पूरा करने की भी उम्मीद जताई जा रही है. इस बीच सूत्रों के हवाले से जानकारी आई है कि सरकार ने जाति जनगणना की शुरुआत कर दी है. इसके तहत जनगणना को पूरी तरह डिजिटल रखा जाएगा और इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई तकनीक का भी इस्तेमाल होगा. सूत्रों की मानें तो जाति की जनगणना के लिए जिओ फेंसिंग का इस्तेमाल होगा. दरअसल जियोफेंसिंग आभासी भौगोलिक क्षेत्र बनाने की क्रिया है जो जीपीएस ट्रैकिंग डिवाइस के क्षेत्र में प्रवेश करने या बाहर निकलने पर एक खास तरह की कार्रवाई को ट्रिगर करता है. बताया जा रहा है कि इस तरह की तकनीक के जरिए सरकार जाति जनगणना में इस्तेमाल करेगी ताकि डाटा ज्यादा से ज्यादा सटीक हो.

यही नहीं सूत्रों की मानें तो जाति जनगणना में ओबीसी के लिए अलग से कॉलम भी बनाए जाने की जानकारी है. बता दें कि अब तक एससी, एसटी का ही कॉलम होता था. लेकिन लंबे वक्त से इसकी मांग की जा रही थी कि ओबीसी के लिए अलग कॉलम बनाया जाए. माना जा रहा है कि इस बार ओबीसी का कॉलम भी शामिल होगा. यही नहीं इसके साथ ही ओबीसी की उपजाति के कलाम पर अभी विचार चल रहा है.

भारत की इंच-इंच भूमि से आतंकवाद मिटाने का संकल्प

आतंकियों को अमित शाह की चेतावनी: 'चुन-चुन कर जवाब मिलेगा'

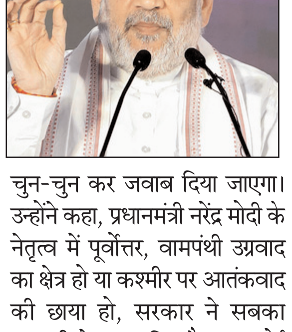

नई दिल्ली(एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए निहत्थे पर्यटकों को श्रद्धांजलि देते हुए आज गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 1990 के दशक से कश्मीर में जो आतंकवाद चला रहे हैं, उनके खिलाफपीएम मोदी ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। सरकार मजबूती से उनके खिलाफलड़ाई लड़ रही है।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी, उचित दंड दिया जाएगा

बकौल अमित शाह, 'हमारे 27 नागरिकों की जान लेकर आतंकवादी लड़ाई जीत गए हैं, उन्हें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए।' उन्होंने कहा, वे यह संकल्प दोहराना चाहते हैं कि जब तक आतंकवाद समाप्त नहीं होगा, हमारी लड़ाई जारी रहेगी। जिन लोगों ने यह कृत्य किया है, उन्हें निश्चित रूप से उसका उचित दंड दिया जाएगा।

शाह ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा, ये लड़ाई का अंत नहीं, ये केवल एक पड़ाव है। हर शख्स को चुन-चुन कर जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर, वामपंथी उग्रवाद का क्षेत्र हो या कश्मीर पर आतंकवाद की छाया हो, सरकार ने सबका मजबूती से जवाब दिया है। अगर कोई कायराना आतंकी हमला कर समझता है कि ये उनकी बड़ी जीत है।

आतंकवाद के खिलाफपूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी

गृह मंत्री ने दहशतगर्दों को चेतावनी देते हुए कहा, '...किसी को बख्शा नहीं जाएगा। इस देश की इंच-इंच भूमि पर से आतंकवाद को मूल समेत उखाड़ने का हमारा संकल्प है। वह सिद्ध होकर रहेगा। इस लड़ाई में न केवल 140 करोड़ भारतीय, बल्कि पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी है। लामबंद होकर दुनिया के सभी देश आतंकवाद के खिलाफइस लड़ाई में भारत की जनता के साथ हैं।'

बोडोफा सभी छोटी जनजातियों के लिए महत्वपूर्ण

बता दें कि शाह ने जिस कार्यक्रम में पहलगाम आतंकी हमले पर टिप्पणी की, उसमें बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्मा की विरासत को सम्मानित करने के लिए सड़क और प्रतिमा का उद्घाटन भी किया गया। इस समारोह में शाह ने कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे दिल्ली की कैलाश कॉलोनी में बोडोफा के सम्मान में प्रतिमा का अनावरण और सड़क का उद्घाटन करने का अवसर मिला है। यह प्रतिमा न केवल बोडो समुदाय के लिए बल्कि उन सभी छोटी जनजातियों के लिए भी महत्वपूर्ण है जिन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति और विकास के लिए संघर्ष किया। बोडोफा की मूर्ति न केवल बोडो समुदाय बल्कि ऐसी सभी छोटी जनजातियों का सम्मान बढ़ाती है।

रामदेव ने नहीं माना दिल्ली हाई कोर्ट का आदेश, कोर्ट बोला- किसी के नियंत्रण में नहीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को योग गुरु बाबा रामदेव को फटकार लगाते हुए अवमानना का नोटिस जारी करने की बात कही है। कोर्ट ने रामदेव को हमदर्द रूहअफजा मामले में हलफनामा दाखिल करने और विवादित टिप्पणी वाला वीडियो सोशल मीडिया से हटाने को कहा था।

गुरुवार को सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अमित बंसल को बताया गया कि रामदेव ने एक बार फिर हमदर्द के रूहअफजा के खिलाफ वीडियो फिर साझा किया ह, जिससे न्यायाधीश नाराज हो गए।

न्यायमूर्ति बंसल ने कहा, पतंजलि संस्थापक का आचरण यह दर्शाता है कि उनका किसी पर नियंत्रण नहीं है और वे अपनी ही दुनिया में जीते हैं। पिछले आदेश के मद्देनजर, उनका हलफनामा और यह वीडियो प्रथम दृष्ट्या अवमानना के दायरे में आते हैं। मैं अब अवमानना नोटिस जारी करूंगा। हम उन्हें सिर्फ यहां बुला रहे हैं। कोर्ट ने 22 अप्रैल को रामदेव को हमदर्द और उसके प्रमुख उत्पाद रूहअफजा को निशाना से रोका था और हलफनामा दाखिल को कहा था। कुछ दिन पहले रामदेव ने पतंजलि का गुलाब शरबत लॉन्च करते हुए कहा था, एक कंपनी है जो आपको शरबत देती है, लेकिन इससे होने वाली कमाई का इस्तेमाल मदरसे और मस्जिद बनाने में किया जाता है। अगर आप वह शरबत पिएंगे तो मदरसे और मस्जिदें बनेंगी। लेकिन अगर पतंजलि का गुलाब शरबत पिएंगे तो गुरुकुल, आचार्य कुलम, पतंजलि विश्वविद्यालय का विस्तार होगा और भारतीय शिक्षा बोर्ड बढ़ेगा।

ताजमहल के पांच किमी के भीतर बिना हमारी अनुमति के पेड़ नहीं काटे जाएंगे- 'सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के आगरा में ताजमहल के पांच किलोमीटर के हवाई क्षेत्र में बिना अनुमति के पेड़ों की कटाई पर प्रतिबंध लगाने संबंधी अपने 2015 के निर्देश को दोहराया है। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अभय एस ओका और उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि ऐतिहासिक स्मारक से 5 किलोमीटर की दूरी से परे टीटीजेड के भीतर के क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई के लिए केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) की पूर्व अनुमति की आवश्यकता होगी और अधिकारी उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों से बंधे होंगे।

8 मई 2015 का मूल आदेश लागू रहेगा- सुप्रीम कोर्ट

पीठ ने कहा, 'ताजमहल के 5 किलोमीटर के भीतर मौजूद क्षेत्रों के संबंध में, 8 मई, 2015 का मूल आदेश लागू रहेगा। ऐसे मामलों में, पेड़ों की कटाई की अनुमति के लिए आवेदन करना होगा, भले ही पेड़ों की संख्या 50 से कम हो। यह अदालत केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति से अनुशंसा मांगेगी और उसके बाद पेड़ों की कटाई पर विचार करेगी।' इसमें कहा गया है, 'जब तक पेड़ों को काटने की बहुत आवश्यकता न हो, तब तक प्रभागीय वन अधिकारी को यह शर्त लगानी होगी कि वास्तविक पेड़ों की कटाई तभी की जा सकती है, जब प्रतिपूरक वनरोपण समेत अन्य सभी शर्तों का अनुपालन किया जाए।' डीएफओ या सीईसी को पहले पेड़ों को काटने की अनुमति देने से पहले निर्धारित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। पीठ ने कहा, 'हम यह स्पष्ट करते हैं कि अपवाद केवल तभी लागू होगा, जब पेड़ों को काटने की बहुत आवश्यकता हो, क्योंकि यदि पेड़ों को काटने की कार्रवाई तुरंत नहीं की जाती है, तो मानव जीवन के नुकसान की संभावना हो सकती है।' अदालत ने मामले में सीईसी से एक रिपोर्ट भी मांगी, जिसमें यह दर्शाया गया हो कि क्या आगरा किला और फतेहपुर सीकरी जैसे दो अन्य विश्व धरोहर संरचनाओं की सुरक्षा के लिए कोई अतिरिक्त प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इस बीच, अदालत ने आगरा में मौजूद एक ट्रस्ट की एक अन्य याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें निजी भूमि पर पेड़ों को काटने के लिए पूर्व अनुमति प्राप्त करने की शर्त में ढील देने की मांग की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा।।आज दिनांक 30.04.2025 को शास. पूर्व माध्य. शाला गिरहोला मे परीक्षा परिणाम शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष उमेश बंजारे, सरपंच घनश्याम बंजारे, जिला पंचायत सदस्य उषा सोनवानी एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति मे वितरित किया गया शाला के समस्त स्टॉफ साकेत कुमार सोनी, चन्द्रिका सहारे, सोफीया जोसफ राहुल वासनिक, मनीषा चौरे एवं रामहीन उइके द्वारा सबका आभार व्यक्त किया गया।

छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसिएशन ने शिक्षा सचिव को ज्ञापन सौंप जल्द विषयवार पदोन्नति भर्ती नियम बदलने की रखी मांग

राजनांदगांव। विगत दिनों छग पैरेंट्स एसोसिएशन ने शिक्षा सचिव से मुलाकात कर जल्द से जल्द स्कूलों में विषयवार शिक्षकों की पदस्थापना एवं पूर्व सरकार के गलत भर्ती पदोन्नति नियम को बदलकर विषयवार भर्ती पदोन्नति नियम को लागू करने की मांग शिक्षा सचिव से की है। इस बाबत ज्ञापन सौंपा गया। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने ज्ञापन सौंपकर मांग रखी। उन्होंने 30 जनवरी को मुख्यमंत्री के निर्णय अनुसार विषय बंधन वाले नियम को नया राजपत्र संशोधन कर लाने मे हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इससे सरकारी स्कूल के बच्चों की शिक्षागुणवत्ता बुरी तरह से गिर रही है। नया सत्र नजदीक है, इतनी देरी ठीक नहीं है। विषय बंधन शिक्षा के अधिकार कानून के अनुरूप है, जिसका राज्य शासन को पालन करना ही होगा और सरकारी मिडिल स्कूल के बच्चे प्राईवेट स्कूल, पीएमश्री, आत्मानंद, एकलव्य, नवोदय के बच्चों से अपने ही राज्य में पिछड़ रहे हैं, क्योकि वहां आरटीई कानून के अनुरूप विषय बंधन है, इससे सबसे ज्यादा बस्तर सरगुजा मे प्रभाव पड़ रहा है। अत: बस्तर मे गैर विषयवार पदोन्नति पर उन्होंने आंदोलन की चेतावनी दी है।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत 'आवास+ 2024' सर्वेक्षण की समय-सीमा 15 मई, 2025 तक बढ़ाई गई

महासमुंद(समय दर्शन)। भारत सरकार ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत अतिरिक्त पात्र ग्रामीण परिवारों की पहचान हेतु चल रहे 'आवास+ 2024' सर्वेक्षण की समय-सीमा को बढ़ा दिया है। अब यह सर्वेक्षण 15 मई, 2025 तक पूरा किया जा सकेगा। इससे पहले यह समय-सीमा 30 अप्रैल, 2025 निर्धारित की गई थी। इस विस्तार का उद्देश्य सर्वेक्षण प्रक्रिया को पूरी गंभीरता से संपन्न करने तथा प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार की पहचान सुनिश्चित करने का अवसर देना है। जिला प्रशासन ने ग्रामीणों से आग्रह किया गया है कि वे इस विस्तारित समय-सीमा का पूरा लाभ उठाएं और 'आवास+ 2024' मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से सर्वेक्षण प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करें। साथ ही, स्व-सर्वेक्षण के तहत प्राप्त सूचनाओं की सत्यता की पुष्टि भी सर्वेक्षणकर्ताओं के माध्यम से की जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण का उद्देश्य वर्ष 2024-25 तक सभी के लिए आवास सुनिश्चित करना है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीण परिवारों को पक्के मकान प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

सखी वन स्टॉप सेंटर में की जाएगी सेवा प्रदाता की नियुक्ति

महिला एवं बाल विकास विभाग में 18 मई तक आवेदन आमंत्रित

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी / सखी वन स्टॉप सेंटर धमतरी को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए यहां सेवा प्रदाताओं के 6 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित इस सखी वन स्टॉप सेंटर में पैरा लीगल, कार्मिक वकील, पैरा मेडिकल कार्मिक, कार्यालय सहायक और सुरक्षा एवं नाईट गार्ड के सेवा प्रदाता नियुक्त किए जाएंगे। इसके लिए इच्छुक आवेदक आगामी 18 मई तक जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग में पंजीकृत अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से आवेदन कर भेज सकते हैं।

श्रमिक दिवस पर जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे श्रमिकों के मध्य पहुंची, चरण पखारकर गमछा भेंट किया

दुर्ग (समय दर्शन)। श्रीमति सरस्वती बंजारे अध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग ने मजदूरों के चरण धोकर, उन्हें गमछा भेंट किया। मनरेगा के अंतर्गत संचालित कार्यस्थल पर पहुंचकर 120 से अधिक श्रमिकों के साथ कार्य में सहभागिता कर, उन्हें सम्मानित करने का एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया।

दिनांक 1 मई 2025 स्थान ग्राम पंचायत ढौर (हिग्नडीह), जनपद पंचायत धमधा जिला दुर्ग

मजदूर दिवस पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने श्रमिकों का किया सम्मान अध्यक्ष जिला पंचायत ने अतंराष्ट्रीय मजदूर दिवस में श्रमिकों के साथ मिलकर महात्मा गांधी नरेगा के चल रहे निर्माण कार्य योगदान किया गौरतलब है कि ग्राम ढौर में महात्मा गांधी नरेगा का निर्माण कार्य तेलीबाधा तालाब चल रहा हैं कार्यस्थल में जाकर उन्होने मजदूरों के निर्माण कार्य प्रोत्सहन किया गया, महात्मा गांधी नरेगा में मजदूरों को अंतराष्ट्रीय मजदूर

दिवस की शुभकामनाऐ दी व मजदूरों के नाश्ते किया,

मनरेगा के अंतर्गत संचालित कार्यस्थल पर पहुंचकर 120 से अधिक श्रमिकों के साथ कार्य में सहभागिता कर, उन्हें सम्मानित करने का एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने गुलशन कुर्रे, शिव कुमार भुवन प्रसाद, हुपेंद्र कुमार, नीतू बाई, मोहनी, वर्षा, हीरा बाई निकिता, कविता, भाईयों बहनों के चरण धोकर, उन्हें गमछा भेंट किया एवं नाश्ते की व्यवस्था कर श्रम की गरिमा को नमन किया। यह स्नेहपूर्ण भाव वहाँ उपस्थित सभी लोगों को भाव विभोर कर गया।

इस गरिमामय का आयोजन में सरपंच संघ अध्यक्ष श्रीमती दामिनी साहू, ग्राम पंचायत सरपंच श्री देवानंद कुर्रे, भाजपा अहिवारा मंडल मंत्री श्री राजा शर्मा, श्री गणेश टंडन, श्री सत्य प्रकाश बंजारे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं मनरेगा श्रमिक उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने युक्तियुक्तकरण के संबंध में ली बैठक

शालाओं और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण पूरी पारदर्शिता और नियमानुसार करें - कलेक्टर

जांजगीर-चांपा/ शासन के निर्देशानुसार जिले में संचालित शालाओं और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने जिले में शालाओं और शिक्षकों की युक्तियुक्तकरण पूरी पारदर्शिता और शासन के नियमानुसार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करे। युक्तियुक्तकरण हेतु जिला स्तरीय एवं विकासखण्ड स्तरीय समिति का गठन किया गया है। कलेक्टर ने युक्तियुक्तकरण कार्य को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि युक्तियुक्तकरण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने बैठक में शासकीय स्कूलों में आयोजित होने वाले समर

कैम्प की जानकारी ली। उन्होंने समर कैम्प में चित्रकारी, निबंध, खेलकूद सहित अन्य विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने कहा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों के आयोजन करने से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। साथ ही उन्होंने समर कैम्प में छात्र-छात्राओं के साथ उनके पालकों को शामिल करने कहा। इस अवसर पर जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्वनी भारद्वाज, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल, डीएमसी श्री आर के तिवारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री प्रहलाद पांडेय सहित सर्व विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

खम्हरिया (मोतीपुर) यूनिवर्सिटी के पास शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाई जा रही काम्प्लेक्स,अब कलेक्टर जनदर्शन में फरियाद करेंगे ग्रामीण

बलराम यादव

पाटन। उत्तर पाटन के ग्राम खम्हरिया (मोतीपुर) में इन दोनों एक व्यक्ति द्वारा शासन की बेशकीमती जमीन पर अवैध कब्जा कर दुकानों का कॉम्प्लेक्स बनाया जा रहा है। इसके अलावा पीछे की खाली पड़ी जमीन को भी मिट्टी डालकर समतल कर कब्जा किया गया है। अवैध कब्जा होने का संज्ञान एसडीएम पाटन को कराया गया। इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अलबत्ता अवैध कब्जाधारी बेखौफ होकर निर्माण कार्य जारी रखा है। जानकारी के मुताबिक इस हल्का के पटवारी के संज्ञान में यह अवैध कब्जा की है। राजस्व और पंचायत विभाग दोनों मौन है। जिससे कि अब अवैध कब्जा करने वालो का हौसला बढ़ता ही जा रहा है। ग्राम खम्हरिया (मोतीपुर) में इन दिनों एक व्यक्ति द्वारा खम्हरिया से सांकरा जाने वाले छोटी सड़क के किनारे सिंचाई नहर के पास बेधड़क अवैध कब्जा किया जा

रहा है। सड़क किनारे वानिकी विश्वविद्यालय भवन निर्माण हो रहा है। जस्ट उसके पास में ही शासकीय जमीन सड़क और नहर के किराने अवैध कब्जा कर दुकानों का कॉम्प्लेक्स बनाया जा रहा है। यही नहीं उसके बाद शेष जमीन को कब्जा करने समतल किया गया है। अवैध कब्जा में सिंचाई नहर भी प्रभावित हो सकती है। यहां पर यूनिवर्सिटी बनने के कारण आसपास के जमीन की कीमत में काफी इजाफा हुई है। अभी जिस शासकीय जमीन पर कब्जा कर दुकान कॉम्प्लेक्स बनाया जा रहा है वह भी लाखों रूपये की है।

आखिर क्यों नहीं हो रही कार्रवाई- अवैध कब्जा को जानकारी राजस्व विभाग के एस डी एम से लेकर पटवारी तक को है। वही पंचायत के नाक के नीचे अवैध कब्जा हो रहा है। सभी को जानकारी होने के बाद भी आखिर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है इसकी चर्चा है। जानकारी के मुताबिक जिसके द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा है उसे पटवारी और अन्य अधिकारी का खौफ ही नहीं है। यही कारण है कि धड़ल्ले से अवैध कब्जा कर कॉम्प्लेक्स खड़ी की जा रही है। अब ग्रामीण इसकी शिकायत कलेक्टर जनदर्शन में करने को बात कह रहे है।।

स्वास्थ्य विभाग में विदाई समारोह का आयोजन, पाटन सेक्टर एल एच व्ही श्रीमती सुरेखा राठौर को दी विदाई

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ पाटन ईकाई ने पाटन सेक्टर एल एच व्ही श्रीमती सुरेखा राठौर (ताम्रकार) का शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त उपरांत बिदाई समारोह आयोजित किया मुख्य अतिथि खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुनेश्वर कठौतिया अध्यक्षता बी ई ईटीओ बी एल वर्मा ओर विशेष अतिथि छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम बी ई ईटीओ श्रीमती चंद्रकांता साहू थे विशेष अतिथि छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने बताया कि श्रीमती सुरेखा रौठर 1988 से पाटन विकास खंड के उप स्वास्थ्य केन्द्र सावनी में पदस्थ होकर इसी विकास खंड के उप स्वास्थ्य केन्द्र तरीघाट में 1990 से 2000तक सेवाएं दीं उसके बाद विभागीय प्रशिक्षण में जबलपुर से एल एच व्ही प्रशिक्षण प्राप्त कर पदोन्नति उपरांत 2002 से 2025तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन में एल एच व्ही सेक्टर सुपरवाइजर महिला के रूप में सेवाएं प्रदान किए हैं इनके द्वारा क्षेत्र में अनेक संस्थागत प्रसव कराएं गए जिनके जन्म कराएं उनके भी बच्चों की शादी उपरांत उनके बच्चों का सुरक्षित प्रसव भी कराया गया है विभाग दो तीन कर्मचारी ऐसे हैं जिनका प्रसव श्रीमती सुरेखा ने ही कराया था । मुख्य अतिथि डा भुनेश्वर कठौतिया ने कहा कि सिस्टर की लोकप्रियता पूरे पाटन क्षेत्र में है उन्होंने ने स्वास्थ्य सेवाएं लोगों को निस्वार्थ सेवा भाव लगन से मरीजों की देखभाल संस्था गत डिलीवरी कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है वे सेवानिवृत्त उपरांत स्वस्थ रहें ओर खुशहाल जिंदगी व्यतीत करें अध्यक्षता कर रहे बी ई ईटीओ बी एल वर्मा ने कहा कि श्रीमती सुरेखा रौठर ने विभाग के दायित्वों का निर्वहन ईमानदार छवि ओर मेहनती कर्मचारी के स्वरूप में की है अपने विदाई समारोह में श्रीमती सुरेखा रौठर ने कहा कि मुझे प्रशस्ति पत्र ओर ईनाम से ज्यादा क्षेत्र की जनता ने मुझे हर रिश्ते के स्वरूप में दिया मैं किसी की दीदी, किसी की भाभी,बहन सखी नई पीढ़ी के लिए दादी के स्नेह प्रेम से बोलो जाती हूं यही मेरी उपलब्धि है कार्यक्रम श्रीमती चंद्रकांता साहू के के वर्मा,श्रीमती बोकासे आर विश्वास श्रीमती ए देश लहरें, चित्रलेखा देवांगन श्रीमती मधु देवांगन आर के बंजारे मधुलता लाल संजय मिश्रा उत्तम मधुकर,जे आर मार्कंडेय,महेश,आशीष नेताम, जीवन यादव,विवेक साहू सहित पदाधिकारी उपस्थित थे

सक्ती मे पिकअप चालक से अवैध वसूली: एक आरक्षक सहित दो आरोपी गिरफ्तार, एक फरार, घटना में प्रयुक्त बोलेरो भी जप्त

जांजगीर। सक्ती जिले मे पिकअप चालक से अवैध वसूली करने वाले एक आरक्षक सहित दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में एक आरोपी अभी भी फरार है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एक्सटोर्सन सहित अन्य धाराओं के तहत कार्यवाही की है। गिरफ्तार पुलिस आरक्षक रजनीश लहरे, बिलासपुर जिले की पुलिस लाइन में पदस्थ है। मामला डभरा थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, बलौदा बाजार जिले का रहने वाला जीवन साहू ड्राइवर है। उसने बताया कि वह बलौदाबाजार से रायगढ़ पिकअप वाहन से सब्जी छोड़ने जा रहा था। वह पुटीडीह नाला के पास पहुंचा था कि एक कार चालक ने पुलिस सायरन बजाते हुए

पिकअप वाहन को रुकवाया। उसके बाद कार के ड्राइवर ने आकर गाड़ी में बैठे उसके साहब को पेपर दिखाने को कहा, तब उसने पेपर लेकर कार में बैठे व्यक्ति को दिखाया। कार में बैठे युवक ने गाड़ी की एंट्री नही हुई है कहते हुए डरा धमका कर उससे 1 हजार रुपये ले लिया। इसके बाद वे लोग आगे निकल गए। कुछ देर बाद सपोस की तरफ से डभरा पुलिस पेट्रोलिंग करते हुए आई, जिन्हें घटना की पूरी जानकारी देने पर कार का पीछा किया गया तो माण्ड नदी में कार खड़ी थी, जहां आरोपियों द्वारा अन्य पिकअप वाहन से भी वसूली की जा रही थी। जिसके बाद डभरा पुलिस ने बिलासपुर लाइन मे पदस्थ आरक्षक रजनीश लहरे और उसके साथ विक्की उर्फछोटू दास को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। घटना में शामिल एक आरोपी मौके से फरार हो गया है। घटना में प्रयुक्त बोलेरो को भी जप्त किया गया है।

मेड़ेसरा संकुल में हुआ ससम्मान विदाई समारोह

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। संकुल मेड़ेसरा के अंतर्गत आने वाले शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कोड़िया एवं मेड़ेसरा के द्वय प्रधान पाठक राम राजेश जी साहू एवं महेश साहू का ससम्मान विदाई समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन प्राथमिक शाला मेड़ेसरा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संकुल के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं अपने सम्माननीय प्रधान पाठक को विदाई देने उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन मंजू सिंह ने किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम मेड़ेसरा से नवनिर्वाचित सरपंच राजेश्वरी विनोद लहरे एवं जनपद पंचायत धमधा के अध्यक्ष लिमन साहू विशेष रूप से आमंत्रित थे। विदाई समारोह में दोनों सेवानिवृत्ति प्राप्त करने वाले प्रधान पाठकों ने अपने जीवन काल से लेकर के शिक्षकीय कार्य में आने तक और शिक्षकीय कार्य करते हुए नौकरी की पूर्णता प्राप्त करने तक की बातों को साझा किया। महेश साहू ने बताया कि वे शिक्षकीय कार्य में लगभग 44 वर्षों तक अपना योगदान दिया है उनके पढ़ाये हुए कई छात्र-छात्राएं विभिन्न पदों पर पहुंच कर उनका नाम रोशन कर रहे हैं । उन्होंने अपने अनुभव का पूर्ण उपयोग

शिक्षकीय कार्य में किया है 7 राम राजेश साहू ने विदाई समारोह को रामायण के प्रवचन के रूप में राम लक्ष्मण और सीता के वन गमन के उदाहरण से समझाया। उन्होंने बताया कि लगभग अपने सर्विस काल में करीब 8 स्कूलों में अध्यापन कार्य किया है और इस अध्यापन काल में वे कभी भी काम को लेकर के तनाव में नहीं आए सारे काम बड़े मनोयोग से किया उन्होंने अपने स्टाफ के शिक्षकों को धन्यवाद दिया ।जिन्होंने उनका सर्विस काल तक बखूबी साथ निभाया। द्वय प्रधान पाठकों ने बताया कि जब वे शिक्षा की कार्य को प्रारंभ किया तब संसाधन की कमी थी पैदल ,साइकिल या बैलगाड़ी से अपने स्कूलों तक पहुंचना होता था और इंटरनेट मोबाइल का जमाना नहीं था सारे काम को कागज में लिखकर के किया जाना पड़ता था और बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता था लेकिन आज के इस युग में काम सरलता सेहो जाता है भले ही काम का दबाव बढ़ गया है लेकिन आधुनिक युग के संसाधन उपलब्धता के कारण काम में सरलता रहती ही है कम संसाधन होते हुए भी हम सभी अपना काम बखूबी तरीके से निभाते थे ।उन्होंने आने वाले समय में सभी शिक्षकों को तन ,मन और बड़े मनोयोग से शिक्षकीय कार्य करने की बात कही सभी शिक्षकों ने उनकी बातों को ध्यान से सुना कार्यक्रम में शैक्षिक समन्वयक सिद्धार्थ भुवाल ने भी मंच साझा किया। विदाई समारोह के साथ-साथ संतोषी निषाद एवं खिलावन साहू जी के पदोन्नति होने पर संकुल स्तर से उनका भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का समापन संकुल प्राचार्य रश्मि रंजन बांसियार ने किया उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से दोनों प्रधान पाठकों जिस निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है हमें भी इनका अनुसरण करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करना चाहिए ।कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों ने अपने सम्माननीय प्रधान पाठकों को उपहार प्रदान करते हुए उनका नम्र आंखों से विदाई प्रदान की इस विदाई समारोह में मुख्य रूप से शिक्षक ब्रह्मानंद नाविक, उत्तम ठाकुर ,प्रवीण कुमार ताम्रकार सुनील बंछोर ,रमाकांत कश्यप , देवी सिंह राजपूत, कमल ध्रुव , अमरलाल केसरा , प्रीति वर्मा ,पुष्पलता साटकर,वेदव्रत ठाकुर , विद्या वर्मा, हेमलता चेलक, हेमलता सिंह,रुकमनी सोनी, प्रतिमा दुबे,वरुणा ताम्रकार, भूषण साहू,जानेश्वरी साहू सहित संकुल के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं तथा दोनों प्रधान पाठकों के परिवार से आए सदस्य उपस्थित थे।

सार समाचार

डिप्टी सीएम ने घुमका में डेढ़ करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन किया

रायपुर(समय दर्शन)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव राजनांदगांव के घुमका में विकास कार्यों के भूमिपूजन और मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने घुमका नगर पंचायत में एक करोड़ 49 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में घुमका में विभिन्न कार्यों के लिए 50 लाख रुपए देने की घोषणा की। इनमें विद्युतीकरण के लिए नौ लाख 85 हजार रुपए, सड़क में बोर्ड लगाने के लिए नौ लाख 83 हजार रुपए तथा तीन द्वारों के लिए दस-दस लाख रुपए शामिल हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा घुमका में आयोजित सामूहिक विवाह में 20 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। साव ने सभी जोड़ों को आशीष प्रदान करते हुए बधाई और शुभकामनाएं दीं। सांसद संतोष पाण्डेय और विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल भी दोनों कार्यक्रमों में शामिल हुईं। उप मुख्यमंत्री साव ने सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के अंतर्गत यहां 20 जोड़ों का विवाह हो रहा है, 40 परिवारों में खुशियां आ रही हैं। आज का दिन ऐतिहासिक है, सामूहिक विवाह के साथ ही एक करोड़ 49 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार हर व्यक्ति के विकास के लिए कार्य कर रही है। राज्य और केंद्र सरकार हर परिवार के आवास और इलाज की व्यवस्था के साथ ही सामूहिक विवाह कार्यक्रमों के माध्यम से बेटे-बेटियों के विवाह की चिंता भी दूर कर रही है। छत्तीसगढ़ में विष्णु का सुशासन कल्याणकारी है। सांसद संतोष पाण्डेय ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि आज बड़ी खुशी का दिन है, सामूहिक विवाह में 20 दम्पति परिणय सूत्र में बंधे हैं, उनके जीवन में कृपा और समृद्धि आए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव घुमका नगर पंचायत की सोच के अनुरूप सुंदर शहर की परिकल्पना से समग्र विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल ने भी सभी नवदम्पत्तियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह शासन की महत्वपूर्ण योजना है। इससे गरीब एवं जरूरतमंदों को मदद मिल रही है। राज्य तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, राजनांदगांव जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव और समाज सेवी कोमल सिंह राजपूत सहित अनेक जनप्रतिनिधि, नागरिक और अधिकारी-कर्मचारी भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

सीईओ ने जिला चिकित्सालय, हमर अस्पताल, मातृ एवं शिशु चिकित्सालय का किया निरीक्षण

हीट स्ट्रोक वार्ड का भ्रमण कर जाना मरीजों का हाल, दवा उपलब्धता की जानकारी ली

रायपुर(समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार बिश्वरंजन द्वारा जिला चिकित्सालय पंडरी, हमर अस्पताल राजातालाब और मातृ एवं शिशु चिकित्सालय कालीबाड़ी का औचक निरीक्षण किया गया। जिला चिकित्सालय पंडरी के निरीक्षण के दौरान सीईओ कुमार बिश्वरंजन ने सर्वप्रथम हीट स्ट्रोक वार्ड का भ्रमण कर वहां भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इसके उपरांत ओपीडी रजिस्ट्रेशन काउंटर का निरीक्षण कर नेक्स्ट जेन ई-हॉस्पिटल से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त की गई। वहां उपस्थित स्टाफ द्वारा स्कैन शेयर प्रणाली की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, सीटी स्कैन, एक्स-रे एवं सोनोग्राफी कक्ष का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। दवाई वितरण कक्ष में उपस्थित फार्मासिस्ट से औषधियों की उपलब्धता एवं ऑनलाइन इंडेंट व्यवस्था के संबंध में चर्चा की गई। जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन ने मातृ एवं शिशु चिकित्सालय कालीबाड़ी में ओपीडी पंजीयन कक्ष, दवा वितरण कक्ष, प्रसव कक्ष का निरीक्षण किया। नवजात शिशु चिकित्सा इकाई में उपस्थित डॉ. निधि गुप्ता द्वारा वहां भर्ती नवजात शिशुओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही अलग से स्थापित 10 बिस्तर को संचालित करने के लिए आवश्यक मानव संसाधन की मांग से संबंधित जानकारी दी गई। सीईओ कुमार बिश्वरंजन ने पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती बच्चों के फीडिंग डेमोंस्ट्रेशन और उनको दिए जाने वाले आहार के संबंध में जानकारी ली। साथ ही उन्होंने बच्चों के माताओं को बच्चों के आहार के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान करने निर्देशित किया।

भारत स्काऊट गाइड जिला संघ ने बस स्टैंड में प्याऊ घर खोला

रायपुर(समय दर्शन)। बढ़ती गर्मी और तपती धूप में बस से यात्रा करने वाले यात्रियों के गले को तर करने लू से बचाव करने की कोशिश को लेकर भारत स्काऊट गाइड जिला संघ रायपुर के द्वारा मठपारा टिकरापरा स्थित अंतरजातीय बस स्टैंड में प्याऊ घर प्रारम्भ किया। जिला मुख आयुक्त डॉ शुक्ला ने कहा कि पुरातन परम्परा रही है जल दान करने व प्यासे को पानी पिलाने की ।इसी परम्परा का निर्वाह भारत स्काऊट गाइड के द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है।इसमे सामाजिक ,राजनेताओं सभी वर्गों के सहयोग से स्काउटर,गाइडें रेंजर रोवहर मिलकर जल सेवा करते है।इस अवसर पर श्री जी स्वामी अध्यक्ष जिला संघ श्री विजय खंडेलवालआयुक्त,मृत्युंजय शुकला सचिव श्रीमती रिया जयश्री नायक पार्षद महामाया पारा वार्ड श्री मृत्युंजय शुक्ला जिला सचिव ,लक्ष्मी नायक जिला संगठन आयुक्त गाइड , श्रीमती आरती राजपूत गाइडर, श्रीमती शीलू शाक्य गाइडर, श्री टिकेश स्काउटर, नमन साहू रोवर, संगम त्रिपाठी अभय तिवारी, सत्यनारायण नायक, राजू यादव, सत्तू निर्मलकर, जोहन यादव, पप्पू निर्मलकर, स्काउट रेखराज, उदय कुमार, गाइड कावेरी, खुशबू, रवि यादव, उदय निषाद ,रेखराज आदि उपस्थित थे।

कृषि विश्वविद्यालय में मनाया गया अक्ती तिहार

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ का प्रमुख कृषि पर्व अक्ती पर्व के शुभ अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने विश्वविद्यालय अनुसंधान प्रक्षेत्र में ठाकुर देवता की पूजा-अर्चना कर खेती-किसानी के नये कार्यां की शुरुआत की। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने अक्षय तृतीया के अवसर पर ट्रेक्टर चलाकर सीड ड्रिल से धान के बीजों का रोपण भी किया। उन्होंने खेत में ड्रोन के माध्यम से खाद एवं कीटनाशक का सटीक छिड़काव करने की तकनीक को स्वयं संचालित कर जीवंत प्रदर्शन किया। अक्ती तिहार का आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त महाविद्यालयों, कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं अनुसंधान केन्द्रों में भी किया गया। डॉ. चंदेल ने माटी पूजन के दौरान सर्वप्रथम कोठी से अन्न लेकर ठाकुर देव को अर्पित किया। यहाँ परम्परागत तौर पर उन्होंने अन्न के दोने को बैगा को सौंपा। इस अन्न को ठाकुर देव के सामने रखकर बीज पूजन की क्रिया सम्पन्न की गयी। अन्न दोने से बीज लेकर खेत में बीजारोपण भी किया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. चंदेल ने हल-नागर एवं कृषि औजारों का पूजन कर अच्छी उपज की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन निदेशालय प्रक्षेत्र एवं बीज द्वारा किया गया। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक प्रक्षेत्र एवं बीज डॉ. राजेन्द्र लाकपाले, संचालक अनुसंधान डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, निदेशक विस्तार डॉ. एस.एस. टुटेजा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. जी.के. दास, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विनय पाण्डेय, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. दवे, विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

सीएए के तहत मिलेगी पाक हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता

रायपुर(समय दर्शन)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच उत्पन्न कूटनीतिक तनाव के चलते केंद्र सरकार ने सभी पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने का निर्देश जारी किया है। इस फैसले से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत देशभर में रह रहे पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों में चिंता का माहौल बन गया था। हालांकि अब इन अल्पसंख्यकों के लिए राहत की खबर आई है। छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी भारत में रह सकते हैं, और उन्हें नागरिकता संशोधन कानून (ष्ट) के तहत नागरिकता

भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत में शरण लेने आए अल्पसंख्यक हिंदुओं को किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। इससे पूर्व शदाणी दरबार के नवम पीठाधीश संत डॉ. युधिष्ठिर लाल ने पाकिस्तानी हिंदुओं की स्थिति को लेकर भारत सरकार से सहानुभूतिपूर्ण और न्यायसंगत दृष्टिकोण अपनाने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान में हिंदू समुदाय धार्मिक उत्पीड़न का शिकार है। यदि हिंदू अपने ही देश भारत में सुरक्षित शरण नहीं पाएगा, तो फिर और कहां जाएगा? संत ने यह भी बताया कि पाकिस्तान से आने वाले अधिकतर हिंदू वैध वीज़ा प्रक्रिया के तहत आते हैं और फिर भी कई बार उन्हें अनावश्यक सख्ती का सामना करना पड़ता है। जानकारी के मुताबिक, वर्तमान में रायपुर में लगभग 2000 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी लॉन्ग टर्म वीजा (स्लज्ञ्ङ्क) पर रह रहे हैं।

श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने श्रमवीरों को दी मई दिवस की शुभकामनाएं

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश के श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस (मई दिवस) के अवसर पर श्रमवीरों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने सभी श्रमिकों के सुखमय और उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। देवांगन ने कहा है कि एक मई को हर साल हम मेहनतकश श्रमिकों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मजदूर दिवस मनाते हैं। यह श्रमिकों की मेहनत और समर्पण के सम्मान का दिन है। मंत्री देवांगन ने कामगारों की सामाजिक-आर्थिक खुशहाली के लिए प्रतिबद्धता प्रकट करते हुए कहा है कि श्रमिक हमारे समाज का अभिन्न अंग और विकास की आधारशिला हैं। छत्तीसगढ़ सरकार श्रमिकों सहित सभी जरूरतमंद लोगों के विकास का हरसंभव प्रयास कर रही है। मंत्री देवांगन ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों को लगातार सरकार की योजनाओं का लाभ तेजी से दिलाया जा रहा है। श्रम विभाग के तीनों मंडल छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल, संगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा एवं श्रम कल्याण मंडल के माध्यम से योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हो रहा है। इसी का परिणाम है कि बीते सवा साल में श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग 500 करोड़ रूपए डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में अंतरित किए जा चुके हैं, जिससे श्रमिकों के साथ-साथ उनके परिवारों का भी सामाजिक, आर्थिक विकास हो रहा है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुनी.

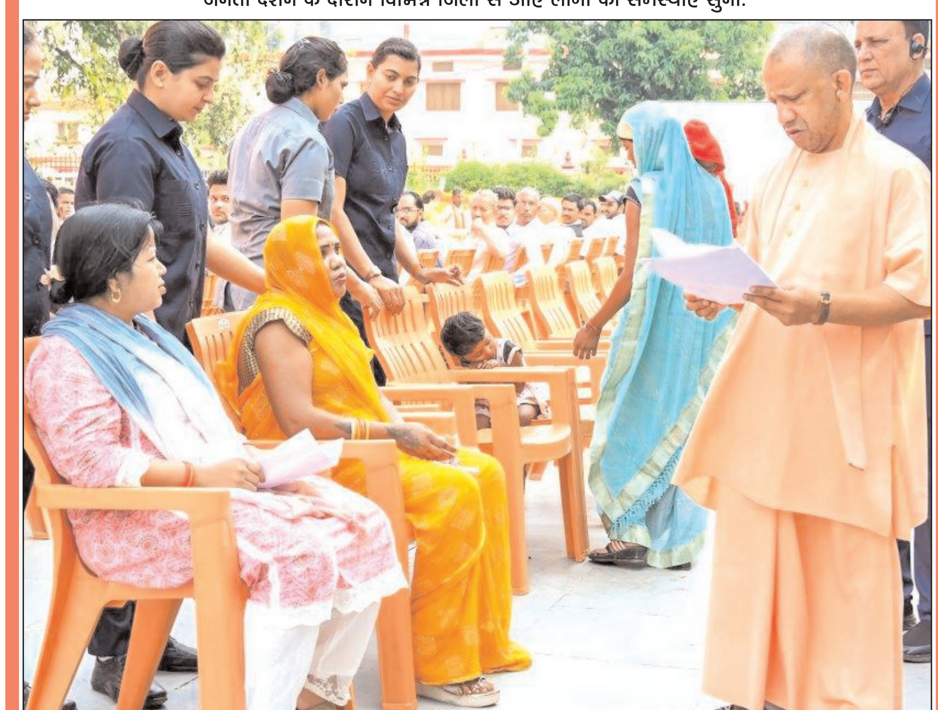

ऑनलाईन टॉस्क से प्रतिदिन हजार रूपये कमाने में लालच में युवक ने गवांए 11 लाख

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर के गोलबाजार क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने ऑनलाइन टेलीग्राम टास्क के जरिए प्रतिदिन हजार रूपये कमाने के लालच में 11 लाख रूपये गवां दिये। युवक के साथ होटल बुकिंग और रिव्यू टास्क के नाम पर 11 लाख 22 हजार 382 रुपये की ठगी की गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी अनुसार गोलबाजार क्षेत्र में रहने वाले प्रतीक खंडाईतमेहर को 11 जनवरी 2025 को उन्हें एक अज्ञात नंबर से ज्योति नाम की महिला का फोन आया। महिला ने खुद को इजमाईट्रीप कंपनी से जुड़ा बताते हुए ऑनलाइन टॉस्क कर प्रतिदिन 500 से 1000 रुपये कमाने का ऑफर दिया। इसके बाद प्रतीक को टेलीग्राम पर ऐश्वर्या एन नामक एक एचआर स्क्रूटर से जोड़ा गया, जिसने उन्हें इजमाईट्रीप डॉट शॉप/बुकिंग लिंक पर रजिस्ट्रेशन करने को कहा। प्रतीक ने अपनी व्यक्तिगत जानकारी और बैंक डिटेल्स देकर रजिस्ट्रेशन पूरा किया, जिसके बाद उन्हें इजमाईट्रीप ऑनाईन कॅस्टमर सर्विस नामक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा गया। यहां उन्हें होटल और फ्लाइट बुकिंग के रिव्यू से संबंधित टास्क दिए गए। शुरुआत में 14 जनवरी को 16 टास्क पूरे करने पर उन्हें 779 रुपये मिले, जिससे उनका विश्वास और बढ़ गया। इसके बाद, 15 से 20 जनवरी के बीच विभिन्न टास्क के लिए उनसे अलग-अलग बैंक खातों में बार-बार पैसे जमा करवाए गए।

अब मजदूर का बच्चा मजदूर नहीं रहेगा, श्रम विभाग द्वारा किए जा रहे विशेष प्रयास

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए लगातार आर्थिक मदद दी जा रही है। श्रम विभाग के तीनों मंडल छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल, छ.ग. असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल एवं छ.ग. श्रम कल्याण मंडल के माध्यम से योजनाओं का सफ्ल क्रियान्वयन हो रहा है। इसी का परिणाम है कि बीते सवा साल में श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग 500 करोड़ रूपए डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में अंतरित किए जा चुके हैं। प्रदेश के श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन का कहना है कि प्रदेश में विष्णु देव सरकार के सुशासन में अब मजदूर का बच्चा मजदूर नहीं रहेगा। श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के हितों में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। इनमें प्रमुख रूप से मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मिनीमाता महतारी जतन

योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार किट योजना, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा प्रोत्साहन योजना, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निःशुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी हेतु सहायता राशि योजना, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना, शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना संचालित की जा रही है। प्रदेश के श्रम मंत्री देवांगन का कहना है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि हर हाथ को काम इस दिशा में प्रदेश के वाणिज्य उद्योग एवं श्रम विभाग द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। श्रम विभाग के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में 255 करोड़ 31 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। मजदूर दिवस दुनिया भर में मनाया जाता है। 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस या श्रमिक दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य मजदूरों के अधिकारों, सामाजिक न्याय और बेहतर कामकाजी परिस्थितियों के लिए संकल्प लेना है। यह दिन श्रमिकों के योगदान को याद करने और उनके संघर्षों को सम्मानित करने के लिए भी मनाया जाता है। यह दिवस वर्ष 1886 में शिकागो के हेमार्केट स्क्वायर में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की याद में मनाया जाता है, जहां अनेक श्रमिकों ने 8 घंटे के कार्य दिवस की मांग की थी। सन् 1889 में, द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय संगठन ने 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में घोषित किया था। इस दिन को मनाने का उद्देश्य मजदूरों के अधिकारों को सुनिश्चित करना, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना और बेहतर कामकाजी परिस्थितियों के लिए आवाज बुलंद करना है। भारत में मजदूर दिवस मनाने की शुरुआत 1923 में चेन्नई (मद्रास) से हुई थी। भारतीय संविधान निर्माण सभा के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर ने श्रमिकों के काम का समय 12 घंटे से घटाकर 8 घंटे किया। इसके अलावा उन्होंने महिलाओं को प्रसूति अवकाश की सुविधा उपलब्ध कराई। श्रम विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के अंतर्गत अटल श्रम सशक्तिकरण योजना के लिए वर्ष 2025-26 के बजट में 125 करोड़ 10 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। इसी तरह वर्ष 2025-26 में पंजीकृत 2 लाख 26 हजार संगठित श्रमिकों के लिए राज्य शासन के अनुदान हेतु 6 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन का कहना है कि विष्णु देव सरकार की सोच है कि हर हाथ को काम मिले उसका उचित दाम मिले और हर पेट को अन्न मिले यह हमारी सरकार की आदर्श नीति है। इस नीति को क्रियान्वित करने हेतु राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री द्वारा शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना प्रदेश के सभी जिलों में प्रारंभ करने की घोषणा की गई है, जिसके परिपालन में इस वर्ष 13 जिलों में 31 भोजन केंद्र प्रारंभ किए जा चुके हैं। जिसका विस्तार चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में समस्त जिलों में किया जा रहा है।

संपादकीय

निशिकांत दुबे का तल्ख अंदाज

वक्फ (संशोधन) अधिनियम के कुछ विवादास्पद प्रावधानों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सवाल उठाए जाने पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने तल्ख अंदाज में सुप्रीम कोर्ट पर निशाना साधते हुए कहा कि कानून यदि शीर्ष अदालत ही बनाएगी को संसद भवन को बंद कर देना चाहिए। दुबे ने 'एक्स' कर अपने पोस्ट में अपने कथन की बिना व्याख्या किए यह सब लिखा है। इसी तरह का बयान भाजपा के राज्य सभा सदस्य दिनेश शर्मा ने भी दिया है। अपने नेताओं के बयानों से घिरी भाजपा ने औपचारिक रूप से खुद को इन बयानों से अलग कर लिया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शब्द कहा कि दुबे या शर्मा के बयान उनके व्यक्तिगत विचार है, और पार्टी इनसे सहमत नहीं है। भाजपा सांसदों के बयानों पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पलटवार करते हुए इन बयानों को अपमानजनक बताया। दुबे और शर्मा की टिप्पणियां ऐसे समय आई हैं, जब वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर शीर्ष अदालत में सुनवाई चल रही है। यह अधिनियम इस महीने की शुरुआत में संसद ने पारित किया था। अदालत द्वारा इस कानून के कुछ विवादास्पद प्रावधानों पर सवाल उठाए जाने के बाद केंद्र सरकार ने अगली सुनवाई तक उन्हें लागू न करने पर सहमति व्यक्त की है। इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा था कि देश में ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे अैर कार्यकारी जिम्मेदारी निभाएंगे और 'सुपर संसद' के रूप में काम करेंगे। दरअसल, धनखड़ सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का जिक्र कर रहे थे जिसमें राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर विधेयक पर फैसला लेने की समय-सीमा तय की गई है। उनका कहना था कि पहली दफा है जब राष्ट्रपति को तय समय में फैसला लेने को कहा जा रहा है। शीर्ष अदालत द्वारा कोई सवाल उठाने या मौखिक टिप्पणी करने पर असहज होना परिपक्वता की कमी का परिचायक है। वैसे भी ये सवाल किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति द्वारा नहीं उठाए थे कि इनमें राजनीतिक अर्थ खोजे जाएं। सुप्रीम कोर्ट और देश की तमाम अदालतें हमारे लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं। संविधान के संरक्षण का मजबूत आधार हैं। उत्पीड़ित महसूस कर रहा पक्ष अदालत का दरवाजा खटखटाता है। उसे विश्वास होता है कि उसका पक्ष अनसुना नहीं रहेगा। अदालतों पर उसका विश्वास है, जो किसी सूरत डमगमाना नहीं चाहिए। राजनीतिक मंतव्यवश हल्की बयानबाजी से बचा चाहिए।

क्या भारत, पाकिस्तान के खिलाफ वाटर बम्ब इस्तेमाल करेगा

अजय दीक्षित

एशियन स्टडी फॉर वॉटर मैनेजमेंट की प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत, पाकिस्तान के खिलाफ वाटर बार खड़ा कर सकता है।यह रिपोर्ट इस समय प्रकाशित हुई है जब भारत ने इंडस वैली ट्रीटी रद्द करने की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच 22 अप्रैल की आतंकी घटना के बाद भीषण विवाद हो गया है।इस हादसे में 25 निर्दोष पर्यटक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। लश्कर ए तैयबा के टीआरएफ नामक संगठन ने जिम्मेदारी ली है। भारत ने सीसीएस की बैठक में पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं जिनमें एक इंडस वैली ट्रीटी को रद्द कर दिया है।यह संधि 1960, में विश्व बैंक के अनुरोध पर पाकिस्तान को रावी व्यास सतलुज, चिनाव झेलम सिंध नदियों का जल उपलब्ध कराने के लिए की गई थी। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक भारत सरकार ने केंद्रीय जल आयोग के इंजीनियरों को तुरंत सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है कि अगर सिंधु जल को पाकिस्तान जाने से रोकना हो तो किस प्रकार के निर्माण की जरूरत होगी। क्योंकि इन नदियों पर हाइड्रल पावर स्टेशन तो हैं लेकिन जल भराव क्षमता कितनी है और उसे अपग्रेड करने के लिए कौन कौन सी जगह बांध बनाने पड़ेंगे। केंदीय वाटर रिसोर्स मंत्रालय,को भी सक्रिय किया गया है। सेंटर फॉर इंडियन ओसियन वाटर मैनेजमेंट पुणे के डायरेक्टर डॉ भूले को दिल्ली तलब किया गया है।कुल मिलाकर मोदी सरकार ने पाकिस्तान को वाटर बॉम्ब के जरिए सबक सिखाने की ठान ली है। जानकारी के अनुसार पानी को रोकना या एक दम छोड़ देना भी एक तरह का हथियार है। रावी व्यास सतलुज नदियों में पानी का प्रवाह काफी तेज होता है क्योंकि ये नदियां काफी ऊंचाई से गिरती हैं। पाकिस्तान में पिछले 70 वर्षों में कैनाल सिस्टम बना है तो इनका पानी नहरों में बह कर सिंचाई परियोजना के काम आता है। ब्रिटिश ने भी आजादी से पहले कुछ नहरें लाहौर, पेशावर, कराची में बनाई थी बाद में इनका विस्तार भी हुआ है। लेकिन अगर भारत की ओर से पानी अचानक छोड़ा गया तो पाकिस्तान में तबाही तय है।इसी लिए आज पाकिस्तान के हुक्मरान ने कहा है कि भारत पानी से लड़ेगा तो युद्ध माना जाएगा। पाकिस्तान ने आज सिंधु जल समझौता आयोग में आपत्ति दर्ज कराई है कि भारत इंडस वैली ट्रीटी के तहत हाइड्रल डेटा शेयर नहीं कर रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत संघ ने वाटर बॉम्ब का इस्तेमाल हंगरी पोलैंड चेकोस्लोवाकिया के खिलाफ किया था। अभी हाल ही में यूक्रेन ने रूस एक बांध तोड़ कर पूर्वी रूस में तबाही मचाई थी। लेकिन पाकिस्तान एक ऐसा देश है जो भारत के वाटर बॉम्ब को झेलना तो दूर बाढ़ को भी नहीं रोक पाएगा। लेकिन विशेषज्ञ का मत है कि हाल फिल हाल भारत को तैयारी के लिए साल भर तक लग सकता है क्योंकि पानी रोकने के लिए संचालित संरचना कायम करना पड़ेगी।

अच्छे नहीं हैं हालात मज़दूर के

डॉ घनश्याम बादल

आज एक मई है, इस दिन हर साल एक दुनिया भर में मजदूर दिवस मनाया जाता है। अत: कहा जा सकता है कि आज का दिन श्रमिक अधिकारों और उनकी संघर्षगाथा से जुड़ा दिन है।

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाने की शुरुआत 1886 के शिकागो हेमार्केट आंदोलन से हुई । तब शिकागो में मजदूरों ने 8 घंटे कार्य दिवस की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। पर उद्योगपतियों के षड्यंत्र के चलते यह प्रदर्शन हिंसक हो गया और कई मजदूरों की जान गई। इस तरह मजदूर के अधिकारों के लिए किया गया पहला आंदोलन अच्छा नहीं रहा लेकिन मजदूरों ने हार नहीं मानी और 1889 में अंतरराष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन में एक मई को उन मजदूरों की स्मृति में मजदूर दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत हुई। जहां तक भारत की बात है तो यहां पहली बार मजदूर दिवस 1923 में चेन्नई में मना और तब से लगातार यह दिवस मनाया जा रहा है लेकिन सवाल यह है कि 100 साल से ज़्यादा हो गए मजदूर दिवस मनाते हुए लेकिन मजदूरों की हालत आज भी बहुत अच्छी नहीं कहीं जा सकती। महंगाई के कारण मजदूरों की वास्तविक क्रयशक्ति बहुत कम है और और स्थिति यह है कि पूरे दिन कमर तोड़ मेहनत करने के बावजूद मज़दूर और उसके परिवार को न भरपेट खाना मिल पाता है और नहीं उसका जीवन स्तर संतोषजनक है। ऐसे में मजदूरों के हित के लिए बहुत से कदम है उठाने की ज़रूरत है आज। कुछ ऐसा किए जाने की ज़रूरत है कि केवल कानून एवं किताबों में नहीं बल्कि वास्तविक धरातल पर सभी क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन अधिनियम को लागू हो और उल्लंघन करने वालों के सख्त खिलाफ कार्रवाई हो। स्वास्थ्य बीमा, पेंशन योजनाएं को दृढ़ता पूर्वक असंगठित क्षेत्रों में भी लागू किया जाए। कौशल विकास जैसी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन हो ताकि मजदूर अधिक वेतन वाली नौकरियाँ पा सकें। एक मजबूत लेबर इन्फोर्समेंट सिस्टम बनाया जाए जिससे मज़दूरों का शोषण न हो। यूनियनों और मजदूर संगठनों को मजबूत किया जाए ताकि वे अपने अधिकारों के लिए आवाज़ उठा सकें। भारत में मजदूरों की स्थिति पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत में लगभग 56.5 करोड़ लोग कार्यबल का हिस्सा हैं। इनमें से

। 45त्न कृषि क्षेत्र में कार्यरत हैं।11.4त्न निर्माण क्षेत्र में। 28.9त्न सेवा क्षेत्र में और 13त्न निर्माण क्षेत्र में कार्यरत हैं। इनमें से 57.3त्न लोग स्वरोजगार में लगे हैं जबकि 18.3त्न लोग घरेलू उद्यमों में बहुत कम वेतन पर कार्यरत हैं। 21.8त्न लोग आकस्मिक मजदूरी करते हैं। 20.9त्न नियमित वेतन या वेतनभोगी कर्मचारी हैं। केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2024 से न्यूनतम वेतन दरों में वृद्धि की है:। अत्यधिक कुशल श्रमिकों के लिए: ?1,035, कुशल श्रमिकों के लिए: ?954 प्रतिदिन का वेतन तय किया गया है जबकि अर्ध-कुशल श्रमिकों के लिए: ?868 प्रतिदिन व अकुशल श्रमिकों के ?783 प्रतिदिन निश्चित किया गया है जो एक अच्छा कदम है। मगर दूसरी सरकारी घोषणाओं की तरह यह घोषणा भी ज़मीन पर कम एवं कागज़ों पर अधिक नजर आती है । हालांकि न्यूनतम वेतन दरें निर्धारित हैं, लेकिन वास्तविकता में अधिकांश श्रमिकों को बहुत कम वेतन मिलता है। आज भी मजदूरी करने वाले लोग महीने में ज्यादा से ज्यादा 20- 22 दिन कार्य प्राप्त कर पाते हैं वहीं इनमें से एक बड़ा हिस्सा ऐसा है जो शारीरिक एवं मानसिक थकान के चलते हुए अपनी इच्छा से ही 18 दिन से ज्यादा काम नहीं करता इसलिए इनके मासिक वेतन की बात करना ही बेमानी है। असंगठित क्षेत्र का हाल तो और भी खराब है । भारत में लगभग 82त्न कार्यबल असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है, जहां श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, नियमित व पूरा वेतन, पेंशन, पी एफ,ई पी एफ और अन्य लाभ नहीं मिलते। जहां मजदूरों को कम वेतन मिलता है वहीं विभिन्न कारणों से सदैव ऋणी रहते हैं आंकड़ों के अनुसार भारत में लगभग 3 लाख श्रमिक ऋण बंधन की स्थिति में हैं, विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक और ओडिशा में। यहां श्रमिक औसतन 47 से 52 घंटे प्रति सप्ताह कार्य करते हैं, जो वैश्विक औसत से बहुत अधिक है।

महिला श्रमिकों की स्थिति तो और भी खराब है । महिला श्रमिकों की संख्या भारत में 2017-18 में 23.3त्न से बढ़कर 2022-23 में 37त्न हो गई हालांकि महिला श्रम भागीदारी बढ़ी है, लेकिन अधिकांश महिलाएं असंगठित और कम वेतन वाले क्षेत्रों में कार्यरत हैं। आज के हालात देखते हुए भारत को 2030 तक हर साल लगभग 78.5 लाख गैर-कृषि नौकरियों की आवश्यकता है। आज यह आवश्यक है कि भारत में श्रमिकों की स्थिति पर गंभीरता से विचार हो । सरकार, उद्योग और समाज को मिलकर श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा, उचित वेतन, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर कार्य परिस्थितियों को सुनिश्चित करना चाहिए। इससे न केवल श्रमिकों का जीवन स्तर सुधरेगा, बल्कि देश की आर्थिक प्रगति भी सुनिश्चित होगी। भारत में केवल वयस्क एवं महिला श्रमिक ही नहीं अपितु बाल श्रमिकों की भी भारी तादाद है और उनकी हालत भी अच्छी नहीं है। यहां बाल श्रम एक गंभीर सामाजिक व आर्थिक समस्या है, जो बच्चों के बचपन, शिक्षा और भविष्य को प्रभावित करती है। राष्ट्रीय बाल श्रम सर्वेक्षण (2011 जनगणना) के अनुसार 5 से 14 वर्ष की आयु के लगभग 1 करोड़ से अधिक बच्चे श्रम में लगे हुए थे। इन बच्चों में से 70त्न से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों से हैं। यूनिसेफ के अनुसार भारत में बाल श्रम में कमी आई है, लेकिन अभी भी 8-10 मिलियन बच्चे अलग-अलग रूपों में श्रम कर रहे हैं। बाल मज़दूर यहां घरेलू नौकर, चाय की दुकान, रेस्तरां, निर्माण स्थल, ईंट भट्टा, खेतों, फैक्ट्रियों, और खतरनाक उद्योगों में खूब काम करते हैं जो अवैधानिक होते हुए भी लगातार जारी है। कई बार मानव तस्करी और बंधुआ मजदूरी के तहत भी बच्चों को काम कराया जाता है। दरअसल मेहनत मजदूरी करना इन बच्चों की मज़बूरी है जिसका मुख्य कारण है गरीबी । माता-पिता की आय कम होने से बच्चे काम करने को मजबूर होते हैं। अशिक्षा और जागरूकता की कमी भी इसकी जिम्मेदार है। परिवारों को नहीं पता कि सभी बच्चों को मुफ्त शिक्षा का अधिकार है।

यहां बच्चों से कम पैसों में काम कराया जाता है क्योंकि यहां बालश्रम कानून का पालन न के बराबर किया जाता है निगरानी और सजा की प्रक्रिया भी कमजोर है।बाल श्रम को समाप्त किया जा सकता है बशर्ते कि शिक्षा को यथार्थ के धरातल पर अनिवार्य और आकर्षक बना दें । शिक्षा का अधिकार अधिनियम सख्ती से लागू हो, स्कूलों में मिड-डे मील, मुफ्त किताबें और वर्दी जैसी योजनाओं को सुधारा जाए व उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति को सबल किया जाए और माता-पिता को जागरूक किया। इसके लिए जरूरी है कि गांव एवं शहरों में ? जनजागरूकता अभियान चलाया जाए।ग्बाल अधिकारों और शिक्षा के महत्व का प्रचार-प्रसार किया जाए, स्वयंसेवी संस्थाओं की भागीदारी बढ़े, । बाल श्रमिकों को छुड़ाने के बाद उन्हें स्कूलों में दाखिला, मनोवैज्ञानिक परामर्श, और कौशल प्रशिक्षण देना समय की मांग है। । बालश्रम केवल एक सामाजिक अपराध ही नहीं, बल्कि देश के भविष्य से खिलवाड़ है। जब हर बच्चा स्कूल में होगा, तभी भारत सही मायनों में विकासशील से विकसित देश बन सकेगा।

छत्तीसगढ़ में लिखा जा रहा है ग्रामीण आवास क्रांति का नया इतिहास

नसीम अहमद खान

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य में इन दोनों ग्रामीण विकास एवं सामाजिक सशक्तिकरण का एक नया इतिहास लिखा जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार एक अभिनव अभियान मोर दुवार- साय सरकार के माध्यम से गरीब ,वंचित और आवासहीन परिवारों के यहां दस्तक देकर उन्हें सम्मान के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के घर का अधिकार देने में जुटी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बीते दिनों जगदलपुर प्रवास के दौरान घाटपदमपुर ग्राम से इस अभियान की शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री आवास योजना का तेजी से और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है । इस बात को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री का पद संभालने के दूसरे दिन ही कैबिनेट की पहली बैठक में 18 लाख परिवारों को आवास की स्वीकृति प्रदान कर स्पष्ट कर दिया था। छत्तीसगढ़ सरकार इस अभियान के माध्यम से प्रत्येक पात्र परिवार को पक्का आवास देने के अपने संकल्प को पूरा कर रही है।

छत्तीसगढ़ में चल रही ग्रामीण आवास क्रांति का ही यह परिणाम है कि अब गांवों में विशेषकर पिछड़े और गरीब तबके की बस्तियों में मिट्टी के जीर्णशीर्ण घरों और बांस- बल्ली के सहारे टिकी घास-फूंस की झोपड़ी की जगह अब साफ-सुथरे पक्के मकान बने हुए अथवा बनते दिखाई देने लगे हैं। राज्य के मैदानी इलाकों से लेकर सुदूर वनांचल का कोई ऐसा गांव अथवा मजरा- टोला नहीं, जहां 8-10 पक्के घर, प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिए हाल- फिलहाल में न बने हों। यह योजना न केवल लाखों गरीब परिवारों को छत दे रही है, बल्कि रोजगार, व्यापार और उद्योगों को भी गति प्रदान कर रही है। इससे सीमेंट, ईट, सरिया और निर्माण सामग्री से जुड़े व्यवसाय में तेजी आयी है। यह जनकल्याण और आर्थिक विकास का एक संतुलित मॉडल है।

छत्तीसगढ़ राज्य को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए कुल 11,50,315 ग्रामीण आवासों का लक्ष्य प्रदान किया गया है, जिसमें से अब तक 9,41,595 आवासों की स्वीकृति दी जा चुकी है। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा छत्तीसगढ़ प्रवास दौरान राज्य को अतिरिक्त 3 लाख आवासों की स्वीकृति देने से यह प्रयास और भी व्यापक हो गया है। यह छत्तीसगढ़ के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी ग्रामीण आवासीय पहल है।

राज्य सरकार समाज के सभी वर्ग के पात्र परिवारों के साथ-साथ बैगा, कमार, पहाड़ी कोरवा, अबूझमाड़िया एवं बिरहोर विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों को प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत पक्का आवास उपलब्ध करा रही है। महासमुंद जिले के धनसुली गांव की कमार बस्ती में 15 से अधिक कमार परिवारों को पीएम जनमन योजना के अंतर्गत पक्के आवास उपलब्ध कराए गए हैं। इससे इन जनजातीय परिवारों के जीवन में स्थायित्व आया है और वे शासन की अन्य योजनाओं से भी लाभान्वित हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार का मोर दुवार- साय सरकार अभियान 30 अप्रैल तक तीन चरणों में संचालित है, जिसमें पात्र हितग्राहियों का घर-घर जाकर सर्वेक्षण करना और ग्राम सभाओं के माध्यम से सूची का वाचन और शत-प्रतिशत पात्र परिवारों का कवरेज सुनिश्चित करने के साथ ही सर्वेक्षण पूर्ण करने वाले कर्मियों का सार्वजनिक सम्मान किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा गांव में जाकर सर्वेक्षण कार्य का शुभारंभ करना और हितग्राहियों से उनके बारे में जानकारी लेना इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर पूरी तरह संवेदनशील और संकल्पित है।

इस अभियान को जन अभियान का स्वरूप देने के लिए जनप्रतिनिधियों, जनसेवियों और स्थानीय कलाकारों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। पीएम आवास पंचायत एम्बेसडर के रूप में नामित व्यक्तियों द्वारा भी लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। गृह पोर्टल के माध्यम से पारदर्शिता एवं जानकारी की सहज उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अतिरिक्त, राज्य में जरूरत मंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मुख्यमंत्री आवास योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत 47,090 आवासों के निर्माण के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 38,632 आवास स्वीकृत किए गए हैं। राज्य सरकार की विशष पहल पर आत्मसमर्पित नक्सलियों एवं नक्सल पीड़ितों परिवारों के लिए 15,000 विशेष आवास स्वीकृत हुए हैं, जिनका निर्माण कराया जा रहा है। पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों के लिए 42,326 आवास के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अब तक 27,778 आवासों की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिसमें से 6,482 आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। नियद-नेल्ला-नार योजना के अंतर्गत अब तक 477 आवास पूर्ण कराए गए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन बिलासपुर से 3 लाख हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराना इस योजना की सफलता है। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा 18 लाख पात्र हितग्राहियों को आवास से वंचित रखा गया। छत्तीसगढ़ सरकार अब हर हितग्राही को उसका अधिकार दिलाने की दिशा में काम कर रही है। मोर दुवार- साय सरकार महाअभियान शासन की संवेदनशीलता, नीति की पारदर्शिता और जनता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह अभियान केवल योजना की सफलता नहीं, बल्कि एक मजबूत, सशक्त और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लेखक उपसंचालक जनसंपर्क हैं

सही नहीं धर्म राष्ट्र एवं संप्रदाय को व्यापार से जोड़ना

डॉ घनश्याम बादल

बाबा रामदेव एक बार फिर चर्चा में हैं । वैसे वे ऐसे बाबा हैं जिन्हें चर्चा में रहने के 'फन' में उस्तादी हासिल है । कभी साइकिल के करियर पर लकड़ी की संदूकची रखकर चूरण और दवाइयां बेचने वाला हरियाणा का दुबला पतला यदुवंशी दाढ़ीधारी रामदेव नाम का साधु जैसा व्यक्ति किस तरह देखते ही देखते पतंजलि योगपीठ स्थापित करके अरबों रुपए के संस्थान का सर्वेसर्वा हो गया, यह इस देश ने देखा है ।

पूरे देश में अपनी लच्छेदार बातों और घने काले बालों के साथ योग प्रदर्शन करने वाले रामदेव ने बेशक योग को घर-घर पहुंचाने का काम किया है । शुरुआती दौर में उनके साथी रहे कर्मवीर आज भी हरियाणा में योग सिखा रहे हैं लेकिन न चर्चा में हैं और न ही उन्होंने कोई बड़ा औद्योगिक संस्थान खड़ा किया है. बस उनका काम धंधा चल रहा है जबकि रामदेव का साथ निभा रहे आचार्य बालकृष्ण कभी नेपाली मूल के होने एवं भारत में अवैध प्रवास करने के आरोपी होने के बाद भी मजबूती के साथ उनके साथ खड़े हैं।   बाबा रामदेव ने कुशल प्रबंधन, चतुराई भरा प्रचार, अपने उत्पादों में घोली गई राष्ट्रवाद की चाशनी, केंद्र एवं प्रदेश सरकारों के साथ गज़ब का संयोजन एवं समायोजन अपनाते हुए पतंजलि योगपीठ को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है । हालांकि बीच में उन्होंने कांग्रेस सरकार को आंखें भी दिखाने की कोशिश की लेकिन कपिल सिब्बल के कठोर रुख के चलते उन्हें सलवार पहन कर भागना भी पड़ा था। लालू यादव एवं वृंदा करात भी एक समय उनके पीछे पड़े और उनके सबसे प्रसिद्ध उत्पादों में से एक दंतकांति टूथपेस्ट जिसे वह आज विज्ञापनों में 'ट्रुथपेस्ट' कह रहे हैं, में हड्डियों का चूरा होने के आरोप भी उन पर लगे हैं तो साथ ही साथ पतंजलि के शहद के भी गुणवत्ता के मानकों पर घटिया होने के चर्चे भी बाजार में आए लेकिन यह बाबा का चतुर प्रबंधन ही रहा कि उन पर न कोई आंच आई और न ही उनके उत्पादों पर ।

आज बाबा रामदेव केवल योग के सहारे नहीं है बल्कि वह एक मल्टीपरपज उत्पाद संस्थान की प्रतिमूर्ति के रूप में डटकर खड़े हैं जिनमें आयुर्वेदिक दवाइयां, कॉस्मेटिक क्रीम, पाउडर, शक्ति वर्धक औषधीयां, खाद्य पदार्थ, शीतल पेय, कपड़े, मसाले और भी न जाने कितने ही उत्पाद उन्होंने पतंजलि के माध्यम से दिए हैं। साबुन, सर्फ टॉयलेट क्लीनर, बर्तन साफकरने वाले उत्पाद, साबुन तेल फुलेल आदि क्या नहीं शामिल है, यानी बाबा ने जीवन का कोई भी क्षेत्र ऐसा न छोड़ने का संकल्प लिया है जिसमें पतंजलि के उत्पादन न खप सकें।

भले ही बाबा रामदेव की शिक्षा दीक्षा कैसी भी रही हो लेकिन उनकी व्यापारिक समझ देश की बड़ी से बड़ी कंपनी के एमबीए या सीईओ पदधारक पढ़े लिखे लोगों को आईना दिखाने वाली है और उन्होंने सिद्ध किया है कि लग्न ,संकल्प एवं जुनून के साथ यदि योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ा जाए तो फिर सफलता कदम चूमती ही है ।

बेशक, आज बाबा एक बहुत सफल योगाचार्य ही नहीं अपितु व्यापारी, प्रबंधक एवं सफल सीईओ बनकर सामने हैं । बाबा रामदेव अच्छी तरह से जानते हैं कि अपना एवं अपने उत्पादों का प्रचार ङ्क प्रसार कैसे किया जाए।   चाहे सोशल मीडिया, टेलीविजन, अखबार, पत्रिकाएं एवं दूसरे मंचों से विज्ञापन देने हों या फिर कोई विवाद खड़ा करके चर्चा पानी हो, रामदेव हर तरह की रणनीति से अच्छी तरह न केवल वाकिफ हैं अपितु उसका उपयोग करना भी जानते हैं और अपने इन सब आजमाए हुए तरीकों की बदौलत वे एक बड़ी हस्ती बन चुके हैं मगर अति महत्वाकांक्षा के चलते हुए कई बार खुद को अनावश्यक रूप से विवादास्पद भी बनाते रहे हैं एवं अपने लिए ही संकट भी खड़ा कर लेते हैं या फिर यूं कहिए कि यह भी उनके रणनीति है और वह आपदा पैदा करके उसे अवसर में तब्दील करने की कला अच्छी तरह से जानते हैं। इन दिनों बाबा शरबत जेहाद के अपने बयान के चलते सुर्खियों में हैं । हालांकि उन्होंने किसी उत्पाद का या उत्पादक का नाम नहीं लिया लेकिन इशारों ही इशारों में देश भर में सबसे ज्यादा एवं सबसे लोकप्रिय शरबत पर प्रहार कर दिया है। अब यह तो सब जानते हैं कि वह कौन सा शरबत है जिसका उत्पादन मुस्लिम उद्योगपति करते हैं एवं दूसरे कई बड़े औद्योगिक घरानों के उत्पादों के बावजूद यह उत्पाद आज भी सबसे ऊपर नज़र आता है और उसके प्रयोग करने वाले मानते हैं कि उसके पीने से रूह अफ्ज़ा होती है । अपने उत्पादों का प्रचार करना किसी भी उत्पादक का अधिकार है लेकिन विज्ञापन नीति यह भी कहती है कि आप किसी दूसरे उत्पाद की न कमियां ढूंढेंगे एवं न ही उस पर आरोप लगाएंगे मगर बाबा ऐसा करते रहे हैं और उन्होंने ऐसा पहली बार नहीं किया है। एक ओर जहां भी दूसरे सारे दंत मंजनों को 'झूठ पेस्ट' बता रहे हैं वहीं अपने उत्पाद को 'ट्रुथपेस्ट' कहते हैं। कोरोना काल में भी उन्होंने कोरोनिल का इसी तरह से प्रचार किया था जिसको लेकर बाद में उन पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने मुकदमा भी किया तथा उन्हें न्यायालय से माफ़ी भी मांगनी पड़ी लेकिन बाबा तो बाबा ठहरे वे न डरते हैं, न घबराते हैं और इसका कारण भी स्पष्ट है ऐसा क्यों है । लेकिन बाबा एक बात भूल जाते हैं कि लोकतंत्र में सत्ता एवं सरकारें बदलती रहती है न भी बदलें तो सत्ता की निगाहें बदलने में भी ज़्यादा समय नहीं लगता। इसलिए उन्हें बहुत सावधानी की भी ज़रूरत है । हर सफल व्यक्ति एवं संस्थान की सफ़लता किसी दूसरे व्यक्ति एवं संस्थान की असफलता को भी उजागर करती है । जब एक ही रस्सी पर एक व्यक्ति ऊपर चढ़ता है तो दूसरा उसके मुकाबले नीचे भी आता है और इस तरह दोनों में विरोधाभास शुरू हो जाता है । नि:संदेह बाबा के एक नहीं अनेक विरोधी भी मौक़े की तलाश में रहेंगे मगर तब तक तो बाबा सफल भी हैं और सेफ भी । हां, इतना तो कहना पड़ेगा कि बहती हुई राजनीतिक हवाओं के साथ चलकर बाबा को मिठास में कड़वाहट घोलने से बचना चाहिए । बजाय दूसरों के उत्पादों को तथाकथित राष्ट्रवाद ,धर्म या संप्रदाय के आधार पर मार्केट से उखाड़ने की कोशिश के, बेहतर हो कि वे अपने उत्पादों को इतना श्रेष्ठ एवं गुणवत्ता परक बनाएं कि कोई उनके बराबर में ठहर ही न पाए।

मंदिर में भूलकर भी न रखें ये चीजें
नहीं मिलेगा पूजा का शुभ फल

ऐसा माना जाता है कि वास्तु शास्त्र में बताए गए नियम का पालन करने से व्यक्ति के जीवन में खुशियों का आगमन होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में मंदिर को उत्तर-पूर्व में रखना शुभ माना जाता है। मंदिर में कुछ चीजों को रखने की मनाही है। वास्तु जानकारों की मानें तो मंदिर में कुछ चीजों को रखने से देवी-देवता नाराज हो सकते हैं और साधक को पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होगा। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि मंदिर में किन चीजों को भूलकर भी नहीं रखना चाहिए?

जीवन में आ सकती है कई समस्या

सनातन धर्म से जुड़े से लोग के घर में मंदिर रखते हैं, जिसमें देवी-देवताओं की प्रतिमा को विराजमान कर रोजाना पूजा-अर्चना करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, विधिपूर्वक पूजा करने से साधक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होती है, लेकिन मंदिर में भूलकर भी नुकीली चीजों को नहीं रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मंदिर में नुकीली चीजों को रखने से नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिससे व्यक्ति को जीवन में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

भूलकर भी न करें शंख से जुड़ी ये गलती

सनातन धर्म में पूजा के दौरान शंख बजाया जाता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि शंख को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। पूजा के समय शंख बजाने से सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है, लेकिन एक बात का खास ध्यान रखें कि मंदिर में एक से अधिक शंख न रखें। इससे व्यक्ति को जीवन में धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

नकारात्मक ऊर्जा होगी उत्पन्न

इसके अलावा मंदिर में कटी-फटी धार्मिक पुस्तकों को नहीं रखना चाहिए। ऐसे माना जाता है कि इस तरह की गलती करने से नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिसका प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है।

देवी-देवताओं का नहीं होगा वास

मंदिर में भूलकर भी गंदे कपड़े नहीं रखने चाहिए, क्योंकि देवी-देवताओं का वास साफ-सफाई वाली जगह पर होता है। वास्तु जानकारों की मानें तो मंदिर में गंदा कपड़ा और गंदगी होने से देवी-देवताओं का वास नहीं होगा। इसके अलावा चमड़े से बनी चीजों को भी नहीं रखना चाहिए।

मई 2025 के प्रमुख व्रत और त्योहार लिस्ट

मई 2025 में कई महत्वपूर्ण व्रत और त्योहार आते हैं। यहां आप इस महीने के प्रमुख व्रत और त्योहार की लिस्ट देख सकते हैं। इस महीने की शुरूआत गणेश जी के व्रत से हो रही है जिसमें पहली तारीख को विनायकी चतुर्थी व्रत रखा जाएगा। 12 मई को बुद्ध पूर्णिमा मनाई जाएगी। 26 मई को शनिवार के दिन वट सावित्री व्रत रखा जाएगा। इसी दिन शनि जयंती भी है। आगे देखें मई माह 2025 में और कौन से पर्व आएंगे।

1 मई, गुरुवार	विनायकी चतुर्थी व्रत
2 मई, शुक्रवार	आदि शंकराचार्य जयंती, सूरदास जयंती
3 मई, शनिवार	गंगा सप्तमी
4 मई, रविवार	अग्नि नक्षत्र प्रारंभ, मासिक दुर्गाष्टमी
5 मई, सोमवार	सीता नवमी
8 मई, गुरुवार	मोहिनी एकादशी
9 मई, शुक्रवार	प्रदोष व्रत
10 मई, शनिवार	नरसिंह जयंती, छिन्न मस्ता जयंती
11 मई, रविवार	मातृ दिवस
12 मई, सोमवार	वैशाख पूर्णिमा व्रत, बुद्ध पूर्णिमा
13 मई, मंगलवार	नारद जयंती, ज्येष्ठ मास आरंभ
14 मई, बुधवार	वृषभ संक्रांति
15 मई, गुरुवार	एकदंत संकष्टी चतुर्थी
20 मई, मंगलवार	मासिक कृष्ण जन्माष्टमी
23 मई, शुक्रवार	अपरा एकादशी
24 मई, शनिवार	प्रदोष व्रत
25 मई, रविवार	मासिक शविरात्रि
26 मई, सोमवार	वट सावित्री व्रत, शनि जयंती, ज्येष्ठ अमावस्या
29 मई, गुरुवार	महाराणा प्रताप जयंती
30 मई, शुक्रवार	विनायक चतुर्थी

शिशु को नहलाने के फायदे

शिशु को नहलाते समय एक छोटी सी गलती बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है? एक्सपर्ट के अनुसार दो साल तक बच्चों को सीधे सिप पर पानी डालकर नहीं नहलाना चाहिए। इससे बच्चों को कई परेशानियां होती है। आज हम जानेंगे कि सिर पर सीधे पानी डालना क्यों हानिकारक हो सकता है और इससे कैसे बचा जा सकता है। आइए जाते हैं..

नाक और कानों में पानी चला जाने से परेशानी

बच्चे को नहलाते समय सीधे सिर पर पानी डालने से उसकी नाक और कानों में पानी जा सकता है, जो उसे परेशान कर सकता है। नाक और कान में पानी चले जाने से खुजली, इरिटेशन और इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। कानों में पानी चले जाने से कान बदने लगता है। इसलिए, बच्चे को नहलाते समय हाथों से सिर को धोएं और सीधे सिर पर पानी न डालें।

आंखों में पानी चला जाना : बच्चे को नहलाते समय सीधे सिर पर पानी डालने से कई नुकसान होते है। यह बच्चे के नाक और कानों में पानी जाने का खतरा बढ़ाती है, जिससे वह परेशान हो सकता है। इससे उसकी आंखों में भी पानी चला जाने का खतरा होता है, जो कि उसके आंखों के हेल्थ के लिए अच्छा नहीं होता।

तालू का कमजोर होना: बच्चे को नहलाते समय सीधे सिर पर पानी डालने से एक्सपर्ट का कहना है कि बच्चों का तालू कमजोर होता है। जिससे उसे निमोनिया जैसी बीमारियों का खतरा भी हो सकता है। इसलिए, बच्चे को नहलाने के समय सिर पर पानी सीधे न डालें। बेहतर यह है कि आप हाथों से सिर को धोएं। इससे बच्चे के हेल्थ संबंधित होने वाले खतरे से बचाया जा सकता है।

जानें बच्चों को कैसे नहलाना चाहिए : सिर पर पानी सीधे न डालें। सिर पर पानी सीधे न डालें, बल्कि हाथों से सिर को धोएं। इससे बच्चे को नाक और कानों में पानी नहीं जाएगा। बच्चे को नहलाने के लिए सेफ जगह चुनें, जहां उसे अच्छे से नहलाया जा सके और वहां किसी चोटील वस्तु से बच सके।

सफाई का ध्यान रखें : नहलाने के बाद उसके आंखों और कानों की सफाई को भी ध्यान से करें। इससे उसको संक्रमण से बचाने में मदद मिलेगी। नहलाते समय हमेशा पानी का तापमान गुनगुना रखें। न ज्यादा गर्म हो और न ज्यादा ठंड़ा।

प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए बेस्ट है यह ड्रेस

गर्भावस्था के दौरान हर महिला कंफर्टेबल और हल्के कपड़े पहनना पसंद करती है। ऐसे में आप फ्लोरल प्रिंट वर्क ड्रेस को ट्राई कर सकती हैं, इससे आप हल्का महसूस करेंगी। अगर आप भी गर्भावस्था के दौरान कुछ हल्का पहनने की सोच रही हैं, तो यह आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हैं।

गर्भावस्था हर महिला के लिए एक खूबसूरत दौर होता है। इस दौरान महिला की कई ख्वाहिशें होती है। कुछ गर्भवती महिलाएं आरामदायक और स्टाइलिश दिखना चाहती है, ऐसे में आप फ्लोरल प्रिंट वर्क ड्रेस ट्राई कर सकती हैं। अगर आप बेबी शावर के लिए स्टाइलिश ड्रेस की तलाश कर रही है, तो यह ड्रेस आपके लिए बेस्ट ऑप्शन है। अगर आप वर्किंग लेडी है और ऐसे में प्रेगनेंसी ड्रेस ढूंढ रही है, तो यह आपके लिए बेस्ट हो सकती है। इस ड्रेस को आप पहनकर आप किसी प्रोग्राम में जा सकती है, इससे आप कंफर्टेबल और हल्का महसूस करेंगी। यह प्रेगनेंसी ड्रेस महिलाओं के लुक में चार-चार लगा देगी। अगर आप फोटो शूट करना चाहते हैं, तो यह सही विकल्प रहेगा।

फल खाते समय ना करें ऐसी गलती

फलों पर नमक या मसाला लगाना भले ही स्वाद को बढ़ा सकता है,लेकिन इससे उनके जरूरी विटामिन और मिनरल्स की गुणवत्ता कम हो जाती है। नमक लगाने से फलों का पानी निकलता है और उनके पोषक तत्व खत्म होने लगते हैं। फलों पर नमक या मसाला लगाना भले ही स्वाद को बढ़ा सकता है,लेकिन इससे उनके जरूरी विटामिन और मिनरल्स की गुणवत्ता कम हो जाती है। नमक लगाने से फलों का पानी निकलता है और उनके पोषक तत्व खत्म होने लगते हैं।

1. फलों का स्वाद बढ़ाने के लिए बहुत से लोग उस पर नमक छिड़कर खाते हैं। अगर आप भी उनमें से ही एक हैं, तो आज और अभी से ऐसा करना बंद कर दें, वरना परेशानियों में फंस सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स इसे अनहेल्दी हैबिट मानते हैं, जो सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

2. डॉक्टर के मुताबिक, फलों केसाथ नमक खाने से टेबल साल्ट इंटेक बढ़ जाता है, जिससे शरीर में सोडियम का लेवल बढ़ सकता है और कई साइड इफेक्ट्स देखने को मिल सकते हैं। इसलिए भूलकर भी फलों पर नमक डालकर नहीं खाना चाहिए।
3. हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, एडेड साल्ट से जितना हो सके उतनी दूरी बनाकर रखनी चाहिए। पूरे दिन में हम कई ऐसी चीजें खाते हैं, जिनमें एडेड साल्ट होता है। बावजूद इसके अलग फलों पर भी नमक लगाकर खाते हैं तो नुकसान झेलने पड़ सकते हैं।
4. फलों में पहले से ही कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। ऐसे में नमक फलों में गैर जरूरी सोडियम जोड़ देता है, जो किडनी की सेहत को बिगाड़ सकता है। फलों पर नमक या मसाला लगाना भले ही स्वाद को बढ़ा सकता है लेकिन इससे उनके जरूरी विटामिन और मिनरल्स की गुणवत्ता कम हो जाती है।

दूध पोषण का खजाना

दूध पोषण का खजाना माना जाता है। इसमें कैल्शियम, फॉस्फोरस, प्रोटीन और कई तरह के मिनरल्स होते हैं। दूध पीने से हड्डियां और मसल्स मजबूत होते हैं। दूध पचने में आसान होता है, इसलिए इसे किसी समय पी सकते हैं। दूध ठंडा भी पी सकते हैं और गर्म भी। हालांकि, बहुत से लोग कच्चा दूध पीना पसंद करते हैं। हालांकि, इसके कई नुकसान हो सकते हैं। दूध को बिना उबाले पीने से कई साइड इफेक्ट्स देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कच्चा दूध पीने से क्यों मना किया जाता है।

दूध क्यों उबाला जाता है

दूध उबालने के बाद उसका पोषण बदल जाता है। उबलाने के बाद दूध में मौजूद मिनरल्स और विटामिन्स का ब्रेकडाउन होता है। इससे दूध पचाना आसान हो जाता है। उबालने से दूध में मिलने वाले बैक्टीरिया भी समाप्त हो जाते हैं, इसलिए दूध को उबालकर ही पीने की सलाह दी जाती है। कई एक्सपर्ट्स का कहना है कि दूध को हमेशा उबालने के बाद ही इस्तेमाल करना चाहिए। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन के एक अध्ययन में बताया गया है कि गाय का कच्चा दूध हमेशा 95C टेंपरेचर पर ही उबालकर पीना चाहिए। इससे उसमें मौजूद बैक्टीरिया पूरी तरह खत्म हो सकता है। इससे फूडबोर्न डिजीर का रिस्क भी बेहद कम हो जाता है और यह दूध शरीर में सही तरह लगता भी है।

दूध उबालने से क्या-क्या फायदा होता है

दूध में लैक्टोज नाम के कार्ब्स पाए जाते हैं। जब दूध को उबालते हैं तो लैक्टोज में बदलाव होने लगता है और लैक्टुलोज नाम के एक शुगर में बदल जाता है। इस शुगर के कारण से उबले हुए दूध को पचाने में कच्चे दूध की तुलना में बहुत ज्यादा आसान होता है। इसलिए दूध को कच्चा नहीं उबालकर पीना चाहिए।

बालों को घना बनाने के तरीके

बालों को लंबा, घना और खूबसूरत बनाने के लिए लोग काफी कोशिश करते हैं। कुछ लोग तो बाजार के महंगे प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं। अगर आप भी बालों को लंबा और मजबूत बनाना चाहते हैं, तो मुलेठी हेयर मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। मुलेठी हेयर मास्क का इस्तेमाल कर आप अपने बालों को लंबा, काला और घना बना सकते हैं। यह बालों के लिए काफी फायदेमंद माना गया है। इससे बालों की ग्रोथ बढ़ाने में मदद मिलती है। आपके बाल सफेद हो गए हैं, तो आप मुलेठी हेयर मास्क का इस्तेमाल जरूर करें।

➲ मुलेठी हेयर मास्क बनाने का तरीका

मुलेठी एक आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है, जो बालों के स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद मानी गई है। इसमें एंटी इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं, जो बालों को झड़ने से रोकते हैं और उन्हें मजबूत बनाते हैं। मुलेठी हेयर मास्क बनाने के लिए आप एक चम्मच मुलेठी पाउडर को एक कटोरी में ले, उसमें दही और शहद तीनों को अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को अपने बालों और स्कैल्प पर 30 मिनट के लिए लगा कर छोड़ दें, 30 मिनट के बाद आप शैंपू से अपने बालों को धो सकते हैं। ऐसा आप सप्ताह में दो से तीन बार कर सकते हैं। मुलेठी हेयर मास्क आपके बालों को मजबूती देगा और इन्हें लंबा बनाने में काफी मदद करेगा।

➲ मुलेठी पाउडर के साथ मिलाएं ये चीजें

आप मुलेठी पाउडर को नींबू के रस, अंडे या फिर नारियल के तेल के साथ भी मिलकर अपने बालों पर लगा सकते हैं। मुलेठी हेयर मास्क के अलावा अगर आप रोजाना कुछ इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो अपने बालों पर रात में सोने से पहले तेल की मालिश जरूर करें और स्वस्थ संतुलित आहार का सेवन करें। अगर आप अपनी डाइट में हरी सब्जियों को शामिल करते हैं, तो भी इससे आपके बाल लंबे और घने बनते हैं।

➲ पैच टेस्ट जरूर करें

मुलेठी हेयर मास्क का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें, क्योंकि कुछ लोगों को इससे एलर्जी हो सकती है। अगर इससे एलर्जी होती है या बाल झड़ने लगते हैं, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें। इसके अलावा गर्भवती या स्तनपान करने वाली महिलाओं को मुलेठी का इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए। मुलेठी हेयर मास्क सफेद बालों को काला करने में भी मदद करता है। यह पूरी तरीके से शुद्ध आयुर्वेदिक उपचार है, जो बालों के लिए लाभकारी माना गया है।

इन चीजों को खाने से बढ़ सकता है यूरिक एसिड..

यूरिक एसिड किसी इंसान की पूरी लाइफस्टाइल में गड़बड़ी मचा सकती है। जब अगर आपकी खानपान में प्यूरिन की मात्रा काफी ज्यादा होती तो शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने लगती है। यूरिक एसिड एक तरह से शरीर की गंदगी है जो प्यूरिन के टूटने पर बनती है। यूरिक एसिड को किडनी खुद फिल्टर करके शरीर से बाहर निकाल देती है, लेकिन अगर यह जरूरत से ज्यादा शरीर में बनने लगे तो यह एसिड क्रिस्टल्स जोड़ों में जमने लगते हैं और फिर जोड़ों में दर्द शुरू हो जाते हैं। यह क्रिस्टल्स हाथ-पैर के उंगलियों की ज्वाइंट में जमने लगती है। जिसके कारण शरीर में सूजन और दर्द होने लगते हैं। शरीर में अगर यूरिक एसिड बढ़ने की दिक्कत है तो सबसे पहले अपनी खानपान में सुधार करें। इन चीजों को न खाएं, क्योंकि यह शरीर में यूरिक एसिड बढ़ाती है।

सोयाबीन: जिन लोगों को हाई यूरिक एसिड की दिक्कत है उन्हें सोयाबीन या सोया प्रोडक्ट्स बिल्कुल भी नहीं खाने चाहिए। यह यूरिक एसिड बढ़ाने वाला फूड आइटम है।

सीफूड: श्रिंप और सार्डिंस जैसे सीफूड खाने से तेजी में यूरिक एसिड बढ़ती है। यूरिक एसिड बढ़ने पर गाउट की दिक्कत भी होती है। गाउट होने पर पैर के अंगूठे में भी सूजन हो सकती है। सी-फूड सीमित मात्रा में खाने चाहिए।

सोडा: आजकल बाहर का कुछ खाना शरीर के लिए सही नहीं है। सोडा, सोफ्ट ड्रिंक्स पीना सेहत के लिए ठीक नहीं है। सॉफ्ट ड्रिंक्स में भले ही प्यूरिन कम होता है लेकिन यह फ्रक्टोस से कहीं अधिक होता है। जो यूरिक एसिड को बढ़ाने का काम करती है।

रेड मीट: अगर आप काफी ज्यादा रेड मीट खाते हैं तो इससे शरीर में यूरिक एसिड लेवल्स बढ़ सकता है। यूरिक एसिड अगर बढ़ने लगे तो नॉन-वेज कम कर देना चाहिए।

एल्कोहल: काफी ज्यादा मात्रा में एल्कोहल पीने से यूरिक एसिड बढ़ने लगता है। इसलिए अगर आपके शरीर में दिक्कत है तो इसे पीना बंद कर दें। अगर किसी व्यक्ति के शरीर में यूरिक एसिड का लेवल हाई है तो डिनर में रेड मीट खाने से बचना चाहिए। रेड मीट, कीमा मीट,ऑर्गन मीट और सी फूड्स जैसी चीज खाने से यूरिक एसिड बहुत ही तेजी में बढ़ता है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध रेत उत्खनन और परिवहन को लेकर 11 ग्राम पंचायतों को नोटिस

अनुविभागीय अधिकारी पैंकरा ने दिया नोटिस

महासमुंद (समय दर्शन)। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं सक्षम अधिकारी महासमुंद श्री हरिशंकर पैंकरा ने महासमुंद अनुविभाग अंतर्गत शामिल 11 ग्राम पंचायतों के सरपंच और समस्त पंचों को नोटिस जारी कर कहा है कि ग्राम पंचायत के सीमा क्षेत्र के नदी नाले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। जिस पर तत्काल रोक लगाएं उन्होंने ग्राम पंचायत बरबसपुर,कनेकेरा, गढ़सिवनी,अछोला, लहंगर ,पीढ़ी, अमलोर, चूहरी, सिरपुर, चिंगरौद, और पासिद के सरपंच को नोटिस जारी कर कहा है की यह संज्ञान में आ रहा है आपके ग्राम पंचायत अंतर्गत नदी/नाले में अवैध रूप से रेत उत्खनन एवं परिवहन किया जा रहा है। छ0ग0 पंचायत राज अधिनियम 1993 तथा गौण खनिज नियम, 1996 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत अन्तर्गत स्थित शासकीय संपत्तियों की सुरक्षा एवं संवर्धन की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत की है। आपके द्वारा अपने दायित्वों का निर्वहन दृढता पूर्वक नहीं किया जा रहा है, लापरवाही बरती जा रही है,जिससे की शासकीय राशि की हानि हो रही है। अत: अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाना सुनिश्चित करे अन्यथा आपके विरूद्ध छ0ग0 पंचायत राज अधिनियम 1993 के अन्तर्गत धारा 39/40 के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी। आदेश में 8 मई को सुबह 11 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर दस्तावेजमय सहित अपना पक्ष रखने कहा गया है, नहीं तो एक पक्षीय कारवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री विनय लंगेह के निर्देशानुसार जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर सतत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। खनिज एवं राजस्व विभाग द्वारा लगातार ऐसे मामलों में कार्रवाई की जा रही है।

नेहरू गार्डन में योग क्लास को मिली नई प्रशिक्षक ङ्क निकिता धरमगुड़ी

नव ऊर्जा के साथ प्रारंभ हुआ नियमित योग अभ्यास

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। सिविल लाइन स्थित,नेहरू गार्डन, धमतरी में विगत डेढ़ वर्षों से संचालित नि:शुल्क योग क्लास में अब एक नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हो रहा है। जननी सेवा संस्थान अर्जुनी, छत्तीसगढ़ योग आयोग तथा समाज कल्याण विभाग के संयुक्त प्रयास से चल रही इस योग कक्षा में निकिता धरमगुड़ी को नवीन प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है।अब तक इस योग कक्षा का संचालन समर्पित योग प्रशिक्षिका सुश्री अंजुलता साहू द्वारा किया जा रहा था, जिनकी सेवाओं के लिए आयोजकों ने हार्दिक आभार व्यक्त किया।प्रथम दिवस की शुरुआत निकिता धरमगुड़ी ने शांति और एकाग्रता के उद्गीत प्राणायाम (ओम् उच्चारण) से करवाई, इसके पश्चात सूक्ष्म योग क्रियाएं, सूर्य नमस्कार, प्रज्ञा योग, तथा अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, शीतली-सीत्कारी प्राणायाम का अभ्यास कराया गया।उन्होंने बताया कि यह प्राणायाम श्वसन तंत्र को सशक्त बनाने के साथ-साथ मानसिक संतुलन एवं भावनात्मक स्थिरता में भी सहायक होते हैं। अभ्यास में शांति पाठ और ताली योग भी करवाया गया। इस सत्र में कुल 13 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लेकर योग अभ्यास का लाभ प्राप्त किया।योग कक्षा के संयोजक डॉ. सरिता दोशी एवं श्री शेष नारायण गजेंद्र हैं।श्रीमती उत्तरा सिंह गौतम एवं श्री रोमेश धरमगुड़ी सहायक प्रशिक्षक की भूमिका में सक्रिय सहयोग दे रहे हैं। यह नि:शुल्क योग कक्षा प्रतिदिन प्रात: 6:00 से 7:00 बजे तक नेहरू गार्डन, धमतरी में आयोजित की जाती है। आयोजकों ने इसमें सभी आयु वर्ग के महिला एवं पुरुषों से नियमित भाग लेने का आग्रह किया गया है, जिससे वे शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य में संतुलन प्राप्त कर सकें।

जगदलपुर की सड़कों का होगा कायाकल्प

जगदलपुर। शहर की सड़कों का अब कायाकल्प होगा। करोड़ों रुपयों की लागत से प्रमुख सड़कों का मजबूतीकरण और चौड़ीकरण होगा। इन कार्यों का भूमिपूजन आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं विधायक किरण सिंह देव और महापौर संजय पाण्डेय ने किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर के विधायक किरण सिंह देव, महापौर संजय पाण्डे, एमआईसी सदस्य व पार्षदों की उपस्थिति में आज जगदलपुर नगर निगम क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया।भूमिपूजन समारोह कैलाश होटल चौक, धरमपुरा में आयोजित किया गया।

छ.ग. राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर सिंह पटेल ने ली समीक्षा बैठक

गौ संरक्षण एवं जागरूकता के लिए सक्रिय हुआ गौ सेवा आयोग

महासमुंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर सिंह पटेल ने गौ ग्राम जनजागरण यात्रा के तहत जिला महासमुंद के गौशालाओं का निरीक्षण कर गौ संरक्षण से जुड़ी संस्थाओं और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जिला पंचायत सभाकक्ष में बैठक ली। बैठक में जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्री एस. आलोक, अपर कलेक्टर श्री रविराज साहू, गौ सेवा आयोग के पंजीयक श्री समीर शर्मा, डी.एस.पी. सुश्री प्रतिभा चंद्रा, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें डॉ. अंजना नायडू,

पशुधन विकास विभाग के अधिकारीगण, गौशाला संचालक, समाजसेवी संस्थान एवं गौ सेवक उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान श्री पटेल ने गौ माता के धार्मिक, सांस्कृतिक और कृषिक महत्व को रेखांकित करते हुए समाज में व्यापक जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होने कहा कि गायों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थलों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए एवं प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वंयसेवी संगठनों से अपील की है कि वे गांव-गांव जाकर गायों की उपयोगिता के प्रति जनजागृति फैलाएं। गौ-तस्करी की रोकथाम को लेकर उन्होने पुलिस विभाग को निर्देश दिए है कि इस पर कड़ी निगरानी रखे एवं त्वरित कार्यवाही करें। साथ ही गौ सेवा से जुड़े कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

अध्यक्ष श्री पटेल ने वर्तमान 'गौ ग्राम जन जागरण यात्रा' के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह राज्यव्यापी जागरूकता यात्रा 20 मई तक संचालित की जावेगी। जिसका मुख्य उद्देश्य गायों का संरक्षण, संवर्धन गौ उत्पादों का व्यापक प्रचार-प्रसार एवं हर घर गौ पालन के प्रति जनमानस में सकारात्मक चेतना का संचार करना है। उन्होने यह भी कहा कि देशी गाय कृषि के क्षेत्र में उपयोगी होने के साथ-साथ गोबर और गौ-मूत्र से जैविक कीटनाशकों एवं अन्य लाभकारी उत्पादों के निर्माण में सहायक है जिससे जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सकेगा। अंत में उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं द्वारा गौशालाओं के अध्यक्ष द्वारा रखी गई मांगो से अध्यक्ष गौ सेवा आयोग को अवगत कराया।

प्रार्थी से वर्ष 2018-19 में मंत्रालय के विधि विभाग में सहा.विधि कांउसलर के पद पर भर्ती कराने के नाम पर पांच लाख रूपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर,भेजा गया जेल

आरोपियों द्वारा अलग-अलग किश्तों में कुल 4,93,000/- रूपये प्रार्थी से लेकर किया गया था धोखाधड़ी

पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा नौकरी लगाने के नाम पर धोखाधड़ी के मामले में तत्काल निराकरण करने के दिये थे निर्देश

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। सक्षिप्त विवरण:*- दिनांक 20.07.18 से 21.04.19 के मध्य प्रार्थी राकेश कुमार देवांगन पिता बोधन देवांगन उम्र 41 वर्ष साकिन कुरूद द्वारा अपने परिचित विवेक पटनायक के माध्यम से चंद्रकांत सिन्हा जो की मंत्रालय में सहायक ग्रेड 3 के पद पर पदस्थ है उसने प्रार्थी को बताया की मंत्रालय के विधि विभाग मे सहायक विधि कांउसलर पद पर भर्ती का विज्ञापन निकला है। जिसके भर्ती कराने के नाम नाम पर 5,00,000/- रूपये का मांग भी किया गया। जिस पर प्रार्थी राकेश देवांगन द्वारा चंद्रकांत सिन्हा एवं विवेक पटनायक को 4,93,000/- रूपये अलग- अलग किश्तो में दिया गया एंव नौकरी नहीं लगाने पर,प्रार्थी द्वारा अपने पैसे वापस मांगने पर आरोपी द्वारा पैसा देने के लिये घुमता रहा। आरोपी द्वारा नौकरी लगाने के नाम पर अपने साथी विवेक पटनायक के साथ मिलकर प्रार्थी से 4,93,000/- अलग-अलग किश्तो में लेकर धोखाधडी करने की रिपोर्ट पर थाना कुरुद में अप.क्र.385/22 धारा 420.34 भादवि.के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक महोदय श्री सूरज सिंह परिहार द्वारा लंबित मामलों की समीक्षा के दौरान थाना प्रभारी कुरुद को लंबित मामले का तत्काल निकाल कर निराकरण करने के निर्देश दिये थे। जिस पर एसडीओपी कुरूद श्रीमती रागिनी मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी द्वारा मामले में तत्काल आरोपी की पतासाजी के लिए पुलिस टीम भेजकर पतासाजी की गई और आरोपी चंद्रकात सिन्हा को मठपुरैना रायपुर मे होने की मुखबिर सूचना पर कुरूद पुलिस द्वारा आरोपी को मठपुरैना रायपुर से थाना कुरूद लेकर आये।

आरोपी चंद्रकात सिन्हा से गवाहों के समक्ष मेमोरण्डम कथन में बताया कि सन् 2010 से 2018 तक मंत्रालय में सहायक ग्रेड 3 के पद पर पदस्थ था उसी दौरान एक विवेक पटनायक ने राकेश देवांगन से परिचय कराया था। जिसको मंत्रालय के विधि विभाग ने सहायक विधि कांउसलर पद पर भर्ती के लिए पांच लाख रूपये की मांग किया गया था। जिस पर प्रार्थी राकेश देवांगन ने 4,93,000 रूपये अलग-अलग किश्तो में आरोपियों को दिया था। जिसमें से एक रेडमी कंपनी का एन्ड्रॉयड फोन लिया बाकी रकम खाने पीने में खर्च होना बताया।

मोबाइल और दस हजार रूपये को बरामद कराने पर आरोपी चंद्रकांत सिन्हा द्वारा अपने पास रखे रेडमी मोबाइल जिसमे एयरटेल का सिम लगा हुआ कीमती 12000/- रूपये एंव 10000/- रूपये नगदी जुमला कीमती 22000/- को निकालकर पेश करने पर गवाहों के समक्ष जप्त कर आरोपी चंद्रकांत साहू द्वारा अपराध स्वीकार करने एंव अपराध सबुत पाये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

श्याम तराई मेन रोड के पास धारदार बंडा लहराते हुए लोगों को डरा धमका रहे आरोपी को अर्जुनी पुलिस ने किया तत्काल गिरफ्तार

आरोपी के विरूद्ध थाना अर्जुनी में धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर,गिरवर साहू को भेजा गया जेल

पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा ऐसे असामाजिक तत्व एवं गुंडा,बदमाशों के विरुद्ध कार्यवाही करने के दिये गए हैं सख्त निर्देश

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। संक्षिप्त विवरण -: अर्जुनी पुलिस पेट्रोलिंग पर रवाना हुआ था तभी अंबेडकर चौक धमतरी में मुखबिर से सुचना प्राप्त हुआ की श्याम तराई मेन रोड के पास व्यक्ति अपने हाथ में एक धारदार बंडा लहराते हुये आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा की सूचना पर तत्काल अर्जुनी पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के बताये अनुसार श्याम तराई मेन रोड के पास पहुंचकर देखे मुखबिर के बताये व्यक्ति द्वारा धारदार हथियार बंडा को अपने हाथ लेकर आम जगह पर लहरा रहा था जिसे देखकर आने जाने वाले लोगो में भय व्याप्त था। उक्त व्यक्ति को गवाहों के समक्ष घेराबंदी कर पकड़ा गया जिससे नाम पता पुछने पर उसने अपना नाम गिरवर साहू पिता अशोक साहू उम्र 34 वर्ष, साकिन श्याम तराई,थाना अर्जुनी का रहने वाला बताया। आरोपी के कृत्य अपराध धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के पर्याप्त साक्ष्य सबुत पाये जाने से गवाहों के समक्ष विधिवत गिरफ्तार कर आरोपी से धारदार लोहे का बंडा को जप्त कर उनके विरुद्ध थाना अर्जुनी में अप0क्र0 65/25 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर,आरोपी गिरवर साहू को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। धमतरी पुलिस द्वारा धमतरी जिले में ऐसे घटनाओं को रोकने के लिये ऐसे असामाजिक तत्वों एवं बदमाशों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है।

आरोपी का नाम-: गिरवर साहू पिता अशोक साहू उम्र 34 वर्ष, साकिन श्याम तराई,थाना अर्जुनी,जिला धमतरी (छ.ग.)

उक्त कार्यवाही में थाना अर्जुनी से से म.प्रआर. मधुलिका टिकरिहा, कमला सिन्हा,आर.प्रशांत पांडेय, संजय ठाकुर का विशेष योगदान रहा।

दुलारपाली में 9वीं एवं 11वीं का परीक्षा परिणाम घोषित

11वीं विज्ञान में आरती, कला में मनीषा एवं नवीं में मयंक प्रथम स्थान हासिल की

शंकर लहरें / सरायपाली(समय दर्शन)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुलारपाली में कक्षा ग्यारहवीं और नवमी का वार्षिक परीक्षाफल घोषित किया गया, इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत दुलारपाली के सरपंच श्रीमती देवकी पटेल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपसरपंच श्रीमती आसमोती साहू,पंचगण मिनकेतन नेताम,दिलीप साहू,गणमान्य नागरिक पारस पटेल,केदार साहू,शाला प्रबंधन व विकास समिति के अध्यक्ष देवेंद्र साहू उपस्थित थे।अध्यक्षता प्राचार्य प्रेमानन्द भोई ने की।कक्षा ग्यारहवीं विज्ञान में प्रथम आरती साहू, द्वितीय दिव्या डिंगरे, तृतीय दुर्गेश भारती, ग्यारहवीं कला में प्रथम मनीषा यादव, द्वितीय दुर्योधन निषाद,तृतीय गौरव, कक्षा नवमी में प्रथम मयंक पटेल, द्वितीय तेजस्विनी सिदार एवं विद्या चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन विद्यार्थियों को सरपंच श्रीमती देवकी पटेल द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई दी तथा अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को निराश न होकर सफलता के लिए पुन: प्रयास करने हेतु प्रेरित किया। एसएमडीसी अध्यक्ष देवेंद्र साहू ने कहा कि परीक्षा में सफलता और असफलता केवल विद्यार्थियों की नहीं बल्कि शिक्षकों और पालकों की भी होती है।कार्यक्रम का संचालन परीक्षा प्रभारी टेकलाल पटेल ने की एवं आभार प्रदर्शन शिक्षक सुशांत प्रधान ने किया।इस अवसर पर कृष्ण कुमार नायक, दुबेलाल पोर्ते, रोहित कुमार साहू, रूपधर पटेल, राकेश प्रधान, हाराधन चौधरी साहित समस्त स्कूल स्टॉफ एवं पालकगण उपस्थित थे।

सरायपाली-सरसीवां मार्ग सागरपाली के पास हुआ क्षति ग्रस्त

जानलेवा ग ों से वाहन चालक परेशान

शंकर लहरें/ सरायपाली (?समय दर्शन)। सागरपाली-सरसीवां मार्ग सागरपाली के पास डामर की परतें उखड़ने से जगह-जगह जानलेवा गड्ढे बन गए हैं। सागरपाली के जमदरहा मोड़ से दुर्गापाली मोड़ तक सड़क सबसे ज्यादा खराब हुई है। आज हुई बारिश से पूरी सड़क कीचड में तब्दील हो गयी। गड्ढों में पानी भर गया जिससे गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाने के कारण से राहगीर गड्ढों में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। पहले इसी सड़क पर धूल की गुबार से परेशान थे। आज किचड़ से परेशान हो रहे हैं। सड़क इतनी जर्जर हो चुकी है कि गाड़ियों को इस मार्ग से होकर गुजरना भी मुश्किल हो रही है। इन गड्ढों की काम चलाऊ मरम्मत पिछले दिनों की गयी मगर कुछ दिन बाद सड़क की स्थिति जस के तस हो गयी। विभागीय उदासीनता एवं ठेकेदारों की लापरवाही के चलते गारंटी पीरियड में ही डामर की परतें उखड़ गयीं और जगह-जगह गड्ढे बन गए। बरसात के दिनों सड़क कीचड़ से लथपथ हो गई थी। सड़क ऊपर हमेशा पानी बहता रहता है जिसके चलते सड़क ख़राब हो रही है।

सरायपाली सरसीवां मार्ग काफी व्यस्ततम मार्ग बन चुका है। इन मार्गों से सीमेंट, बालू, गिट्टी आदि बड़े पैमाने पर परिवहन होता है। इसी मार्ग से होकर रोजाना हाइवा, डंपर, ट्रक, ट्रेक्टर आदि भारी वाहनें गुजरती हैं। इन भारी वाहनों के आवागमन से ही सड़क क्षतिग्रस्त हो रही है।

पिछले साल वित्त मंत्री ओपी चौधरी इस मार्ग से होकर जाते वक्त कुछ समय के लिए सागरपाली में रुके थे। तभी स्थानीय कार्यकर्ताओं ने सरायपाली सरसीवां मार्ग की मरम्मत करने से संबंधी मांग पत्र सौंपा था। बरसात के बाद मरम्मत कार्य प्रारंभ करने का आश्वासन भी दिए थे। बरसात के बाद मरम्मत कार्य प्रारंभ भी की गई मगर इसी हिस्से को छोड़ दिया गया। क्षेत्र की जनता सड़क मरम्मत की आस लगाए बैठे हैं। सरसीवां- सरायपाली मार्ग का जो हिस्सा सबसे ज्यादा क्षतिग्रस्त हुआ है उसी का मरम्मत क्यों नहीं हुआ इस सवाल का जवाब जनता जानना चाह रही है।

ग्राम धनगांव में प्रधानमंत्री आवास सर्वे के नाम पर वसूली, ग्रामीणों ने की कलेक्टर से शिकायत

लकेश्वर बघेल / बलौदा बाजार

प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत बलौदाबाजार से कुछ ही किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत धनगांव में आवास सर्वे के नाम पर ग्रामीणों से ?100 की वसूली का मामला सामने आया है। इस अनियमितता को लेकर ग्रामीणों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर से शिकायत की है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम पंचायत सदस्य देवेंद्र यादव ने बताया कि गांव में सक्रिय महिला कार्यकर्ता बसंती चंदेल और शशि भारद्वाज द्वारा घर-घर जाकर प्रधानमंत्री आवास योजना का सर्वे किया जा रहा था। उन्होंने कहा, मैंने स्वयं इन दोनों को ?100 दिया। जब मैंने पूछा कि पैसे क्यों लिए जा रहे हैं, तो उन्होंने जवाब दिया कि पूरे

गांव से लिया जा रहा है, तो तुम्हें क्या दिक्कत है। मुझे बाद में जानकारी मिली कि यह सर्वे पूरी तरह निशुल्क है, अब मैं अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहा हूँ और आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई चाहता हूँ।

ग्रामीण महिला पदमा पटेल ने भी इस संबंध में बयान देते हुए कहा कि जब उनके घर सर्वे के लिए सरपंच निरूपा ध्रुव, पंचायत सचिव और एक अन्य युवक आए, तो उनका सर्वे कर ?100 की मांग की गई। सरपंच और सचिव की उपस्थिति में ही उन्होंने पैसा दिया।

सरपंच सचिव की उपस्थिति में निजी युवक को पैसा देना इससे आशंका जताई जा सकती है कि कहीं ना कहीं सरपंच,सचिव, सक्रिय महिला कार्यकर्ता, भ्रष्टाचार के खेल में शामिल हो सकते हैं

जब इस संबंध में सरपंच निरूपा ध्रुव से फोन पर संपर्क किया गया, तो उन्होंने कहा, मुझे आवास सर्वे के नाम पर पैसा लेने की जानकारी है।

सर्वे कार्य में शामिल महिला बसंती चंदेल ने कैमरे के सामने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

इस बीच ग्रामीण प्रशासन से न्याय की उम्मीद कर रहे हैं। वहीं, छत्तीसगढ़ सरकार पहले ही आवास योजना में भ्रष्टाचार को लेकर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को सख्त चेतावनी दे चुकी है। सरकार की ओर से यह निर्देश दिया गया है कि यदि आवास योजना में किसी प्रकार की गड़बड़ी या लेन-देन की शिकायत मिलती है, तो संबंधित जिला कलेक्टर की जवाबदेही रहेंगी

अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस आर्थिक शोषण पर सख्त कार्रवाई करेगा और क्या ग्रामीण अपनी शिकायत पर अडिग रहेंगे?

खबर-खास

वनमंडलाधिकारी निखिल अग्रवाल ने लिया वनमंडल कवर्धा का प्रभार

कवर्धा (समय दर्शन)। छ.ग. शासन के स्थानांतरण आदेश के तहत् 01. 05. 2025 को शशि कुमार (भा.व.से.) ने कवर्धा वनमंडल, कवर्धा का संपूर्ण प्रभार निखिल अग्रवाल (भा.व.से.) को सौंप दिया। श्री अग्रवाल 2021 बैच के अधिकारी है, जिनका जशपुर वनमंडल से कवर्धा वनमंडल में वनमंडलाधिकारी के पद पर स्थानांतरण हुआ है। वहीं शशि कुमार (भा.व.से.) वनमंडलाधिकारी जशपुर वनमंडल, जशपुर का प्रभार ग्रहण करेंगे। वनमंडल परिवार की ओर से नए वनमंडलाधिकारी श्री अग्रवाल (भा.व.से.) का स्वागत एवं शशि कुमार (भा.व.से.) को भावभीनी विदाई दी गई।

ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में मिले आरक्षक अभिषेक लकड़ा निलंबित

कवर्धा (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने ड्यूटी में लापरवाही, अनुशासनहीनता और विशेष रूप से नशे की हालत में ड्यूटी करने जैसे गंभीर कदाचार पर कड़ी कार्रवाई करते हुए आरक्षक क्रमांक 126 अभिषेक लकड़ा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। शहर भ्रमण के दौरान 30 अप्रैल 2025 को एक जागरूक नागरिक द्वारा यह सूचना दी गई कि एक आरक्षक शराब के नशे में ड्यूटी कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने त्वरित संज्ञान लेकर जांच कराई। तस्दीक में यह पुष्टि हुई कि आरक्षक अभिषेक लकड़ा, जो कि पुलिस लाइन में पदस्थ था, ड्यूटी के समय शराब के नशे में था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से उक्त आरक्षक को निलंबित करने के साथ ही विभागीय जांच के आदेश भी जारी कर दिए हैं। कबीरधाम पुलिस अपील करती है कि कोई भी व्यक्ति किसी पुलिसकर्मी द्वारा नशे में ड्यूटी करने या अन्य प्रकार की अनुशासनहीनता का साक्षी बनता है, तो उसकी सूचना तत्काल निकटतम थाने या वरिष्ठ अधिकारियों को दे। आपकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी और हर सूचना पर गंभीरतापूर्वक कार्रवाई की जाएगी।

जिनकुशल इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

नईदिल्ली। निर्माण मशीनों के निर्यात व्यापार में सबसे बड़ी कंपनी जिनकुशल इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जेकेआईपीएल), जिसकी उपस्थिति संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका (अपनी सहायक कंपनियों के माध्यम से) में भी है, ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। प्रस्तावित सार्वजनिक पेशकश में 10 रुपये अंकित मूल्य के 96.5 लाख इक्विटी शेयरों की पेशकश शामिल है; जिसमे 86.5 लाख इक्विटी शेयरों का फ्रेश इशू और 10 लाख इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल है। जेकेआईपीएल (JKIPL) ने फ्रेश इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए करने का प्रस्ताव रखा है। केयरएज रिपोर्ट के अनुसार, जेकेआईपीएल 6.9 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ी गैर-ओईएम निर्माण मशीन निर्यातक है। जेकेआईपीएल, जिसे श्री अनिल कुमार जैन, श्री अभिनव जैन, संध्या जैन, तिथि जैन और यशस्वी जैन द्वारा प्रवर्तित किया गया है, वैश्विक बाजारों में नई/अनुकूलित और प्रयुक्त/नवीनीकृत निर्माण मशीनों के निर्यात व्यापार करती है। जेकेआईपीएल हाइड्रोलिक उत्खनन, मोटर ग्रेडर, बैकहो लोडर, सॉइल कॉम्पैक्टर, व्हील लोडर, बुलडोजर, क्रेन और डामर पेवर्स जैसी निर्माण मशीनों के निर्यात व्यापार में माहिर है। जेकेआईपीएल को भारत सरकार के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफ्टी) द्वारा थ्री-स्टार एक्सपोर्ट हाउस के रूप में मान्यता प्राप्त है। इस डीआरएचपी की तिथि तक, जेकेआईपीएल ने यूएई, मैक्सिको, नीदरलैंड, बेल्जियम, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और यूके सहित तीस (30) से अधिक देशों को निर्माण मशीनों का निर्यात किया है। जेकेआईपीएल मुख्य रूप से तीन प्राथमिक व्यावसायिक क्षेत्रों में परिचालन करती है।

शराब दुकान के सुरक्षा कर्मी पर धारदार हथियार से हमला करने के दो आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा (समय दर्शन)। शासकीय देशी मदिरा दुकान बोड़ला में पदस्थ सुरक्षाकर्मी पर जानलेवा हमला करने के दो आरोपियों को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों ने मात्र 10,000 रुपए की लेन-देन के विवाद के कारण जानलेवा हमला किया था।

प्रार्थिया गीता अनंत निवासी सारंगपुर कला चौकी पोंडी थाना बोड़ला ने 24 अप्रैल की सुबह 5 बजे अपने पुत्र लालदास अनंत रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि देशी मदिरा दुकान बोड़ला में सुरक्षा गार्ड का काम करने वाले उसका पुत्र लालदास अनंत पर अज्ञात व्यक्ति ने धारदार हथियार से हमला किया है और शासकीय अस्पताल बोड़ला में भर्ती है। रिपोर्ट पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्य, मोबाइल सीडीआर विश्लेषण, गवाहों के बयान एवं मुखबीरी सूचना के आधार पर संदेही मुकेश लहरे पिता इतवारी लहरे 24 वर्ष, निवासी बबई एवं वेंकट मरकाम पिता पंचम सिंह मरकाम 19 वर्ष, निवासी कोयलारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार किया। आरोपी के विरूद्ध पुलिस ने अपराध क्रमांक

61/2025, धारा 296, 118 (2), 351 (3), 3 (5) बीएनएस एवं धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस ने बताया कि मुकेश लहरे द्वारा पीड़ित को शराब दुकान में सेल्समेन के पद पर लगाने के नाम पर 90,000 रुपए लिए गए थे, जिसमें से 80,000 रुपए वापस कर दिया, किंतु 10,000 रुपए नहीं देने पर आरोपी नाराज़ हो गया और 22 अप्रैल को मुकेश ने वेंकट के साथ मिलकर हमला करने की योजना बनाई। रात्रि 2.30 बजे दोनों आरोपी मोटरसाइकिल (सीजी 09 जेसी 9744) से बोड़ला पहुंचे, शराब दुकान के पीछे महुआ के पेड़ के नीचे वाहन खड़ा कर पेड़ के सहारे छत पर चढ़े। मुकेश ने वायर कटर से बिजली की लाइन काट दी, जिससे सीसीटीवी और लाइट बंद हो गए। अंधेरे का फायदा उठाकर वेंकट ने सामने से आकर लालदास पर धारदार चाकू से दो बार वार कर दिया। पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त चाकू, वायर कटर एवं मोटरसाइकिल जब्त किया है। आरोपियों के विरुद्ध धारा 109 बीएनएस के तहत अपराध प्रमाणित पाए जाने पर दिनांक 01. 05. 2025 को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश चंद के कुशल नेतृत्व में उपनिरीक्षक गोविंद चंद्रवंशी, सउनि प्रहलाद चंद्रवंशी, प्रधान आरक्षक नन्हे नेताम, आरक्षक पूरनदास, रामचंद्र चंद्रवंशी, अमर पटेल, राजकुमार साहू सहित संपूर्ण टीम का सराहनीय योगदान रहा।

अक्ति पर्व : गुड़िया की डोली, गुड्डे का सेहरा– मोहल्ले में मना सांस्कृतिक विवाह उत्सव

गरियाबंद (समय दर्शन)। अक्षय तृतीया (अक्ति) पर्व पर शिव दुर्गा चौक,वार्ड नंबर 1 और 2 में बच्चों द्वारा पारंपरिक गुड्डे-गुड़ियों के विवाह का भव्य आयोजन किया गया। जैसे-जैसे संध्या का समय हुआ,बच्चों ने घर के आंगन में आम के पत्तों से मंडप सजाया, रंगोली और चौक बनाकर सजीव विवाह की अनुभूति कराई।गुड्डे-गुड़ियों को पाटे पर बिठाया गया और विवाह की पूरी रश्में निभाई गईं,जयमाला,टिकावन,बारात और चुलमाटी जैसे सभी अनुष्ठान हुए।बाजे-गाजे के साथ जैसे ही बारात निकली, मोहल्ले में कुछ क्षणों के लिए लगा मानो सचमुच किसी घर की बारात निकल पड़ी हो। मोहल्ले के लोगों ने पूरी तन्मयता से इस आयोजन में भाग लिया। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक पकवान तैयार किए और बड़ों ने बच्चों को टिकावन स्वरूप उपहार भी भेंट किए।

यह आयोजन केवल बच्चों के लिए खेल नहीं था,बल्कि संस्कृति और परंपरा को सहेजने का एक प्रयास था।खास बात यह रही कि यह आयोजन सिर्फ बच्चों तक सीमित नहीं रहा,घर के बड़े-बुजुर्ग भी बच्चों के इस प्रयास में उत्साह के साथ सहभागी बने।शिव दुर्गा चौक को स्थानीय लोग 'गोकुलधाम' के नाम से जानते हैं, क्योंकि यहां हर पर्व मिलजुल कर बड़े उत्साह से मनाया जाता है।होली,दीवाली, दुर्गा पूजा,गणेश चतुर्थी जैसे पर्वों पर मोहल्ले में 11 दिनों तक विशेष सांस्कृतिक आयोजन होते हैं,जो क्षेत्र को जीवंत बनाते हैं।इस मोहल्ले की यही खूबी है कि यहां हर पर्व को पूरे मोहल्ले के लोग एक परिवार की तरह मनाते हैं।बच्चों को देखकर लगता है कि हमारी संस्कृति अब भी सुरक्षित हाथों में है।मैं विशेष रूप से उनके माता-पिता और मोहल्ले के बड़ों को बधाई देता हूँ जो इन आयोजनों को केवल 'बच्चों का खेल' नहीं मानते,बल्कि इसे एक सामाजिक पाठशाला की तरह समर्थन देते हैं।इस आयोजन में कनिष्का साहू ,तनिष्का साहू,आशना सिंह,आरुषि सिंह,डबली साहू,लतिका निषाद,योगिता निषाद भाविका निषाद,रुशिका सोनवानी,नमिक्षा मुस्कान,अंशु,विनय,एकता,लतासाहू,सोनी साहू,स्नेहा सिंह,परी रात्रे, गोल्डी रात्रे का सहयोग रहा।

सुशासन तिहार के आवेदनों का करें पूर्ण निराकरण – कलेक्टर उइके

कलेक्टर ने वीसी के माध्यम से बैठक लेकर दिये निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उइके ने आज एनआईसी कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्राप्त आवेदनों की शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि विभागों को प्राप्त आवेदनों को गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर आवेदनों का निराकरण करें। उन्होंने आवेदनों को समय – सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने सुशासन तिहार के अगले चरण में 5 मई से होने वाले समाधान शिविरों की तैयारियों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने शिविरों की सभी तैयारियां समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री उइके ने बैठक में राजस्व पखवाड़ा अंतर्गत गांवों में आयोजित किये गए राजस्व शिविर की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शिविर में प्राप्त आवेदनों को भी राजस्व अधिकारी गुणवत्तापूर्वक निराकरण करें।राजस्व मामले में लोगों की समस्याओं का निराकरण करने में गंभीरता लाएं। जिससे कि लोग अधिक से अधिक लाभान्वित हो सके। कलेक्टर ने राजस्व संबंधी मामलों के प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर निराकरण में तेजी लाने के भी निर्देश दिये। इस दौरान बैठक में जिला पंचायत सीईओ जीआर मरकाम,अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत,नवीन भगत सहित एसडीएम,जनपद सीईओ एवं राजस्व अधिकारीगण मौजूद रहे।

जनरेशन जीके नवाचार को मिला मंच: सैमसंग इंडिया ने लॉन्च किया 'सॉल्व फॉर टूमॉरो 2025', 1 करोड़ रुपए तक का अनुदान

गुरुग्राम: भारत के अग्रणी कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपनी प्रमुख कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी (सीएसआर) पहल 'सॉल्व फॉर टूमॉरो' के चौथे संस्करण की शुरुआत कर दी है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य देशभर के युवाओं को प्रौद्योगिकी के ज़रिए सामाजिक चुनौतियों का हल खोजने के लिए प्रेरित करना है। 14 से 22 वर्ष के छात्रों के लिए खुली इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 30 जून 2025 रखी गई है। चुनी गई टॉप चार टीमों को उनके नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए आईआईटी दिल्ली में इंक्यूबेशन सपोर्ट के साथ कुल एक करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा। इसके अलावा, टॉप 40 टीमों को 8 लाख और टॉप 20 टीमों को 20 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। प्रतिभागियों को 82,000 घंटे का विशेष प्रशिक्षण और मेंटरशिप भी दी जाएगी। इस साल के प्रतिभागियों को चार महत्वपूर्ण थीमों पर समाधान बनाने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है: अधिक सुरक्षित, स्मार्ट एवं समावेशी भारत के लिये एआई; भारत में स्वास्थ्य, आरोग्य तथा तंदुरुस्ती का भविष्य; शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिये खेलों तथा तकनीकी के माध्यम से सामाजिक बदलाव; और टेक्नोलॉजी के जरिये पर्यावरण की स्थिरता।

सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, 'सॉल्व फॉर टूमॉरो' के ज़रिए हम भारत के हर कोने के युवा इनोवेटर्स को बड़े सपने देखने, असल ज़िंदगी की चुनौतियों से निपटने और तकनीक के ज़रिए एक स्मार्ट और समावेशी भविष्य गढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इस साल की प्रतियोगिता और भी बड़ी और व्यापक होगी। हम ज़्यादा शहरों में पहुंच रहे हैं, ज़्यादा स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों को जोड़ रहे हैं और उन्हें डिज़ाइन थिंकिंग के सिद्धांतों पर आधारित नवाचार का अवसर दे रहे हैं। यह पहल भारत सरकार की अग्रणी #DigitalIndia योजना के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो युवाओं को भविष्य का निर्माणकर्ता बनने के लिए सशक्त करती है।

आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बेनर्जी ने कहा, आईआईटी दिल्ली को युवाओं के बीच नवाचार, उद्यमिता और व्यावहारिक समस्याओं के समाधान की क्षमता को बढ़ावा देने में गर्व महसूस होता है। सैमसंग 'सॉल्व फॉर टूमॉरो' के साथ हमारी साझेदारी के ज़रिए हम युवा प्रतिभाओं को मेंटरशिप, शोध के लिए अत्याधुनिक संसाधन और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं, ताकि वे अपने विचारों को ऐसे उत्पादों में बदल सकें जो समाज पर सकारात्मक असर डालें। हमें इस पहल का हिस्सा बनकर खुशी है, जो सामाजिक रूप से जागरूक नवाचार को बढ़ावा देती है और 'विकसित भारत' के निर्माण में अहम योगदान करती है।

पुलिस जवानों का स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए नवीन अभियान ''संवाद'' की शुरूवात

गरियाबंद (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक गरियाबंद निखिल राखेचा के दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन में गरियाबंद पुलिस द्वारा''संवाद'' पहल की शुरूवात गई है।इस पहल का उद्देश्य पुलिस जवान जो दिन-रात ड्यूटी करते हुए एवं कुछ परिवारिक कारणां से तनाव ग्रस्त हो जाते है,उनकी विशेषज्ञ एवं पुलिस अधिकारी कि टीम द्वारा काउंसलिंग कर समस्याओं को जानने एवं उन समस्याओं को बेहतर तरिके से निपटाने का मार्गदर्शन दिया जा रहा है।तनाव के कारण कई पुलिस कर्मी शुगर,ब्लड प्रेशर जैसे कई जीवन शैली से संबंधित बिमारियों का शिकार हो जाते है। जिसका विपरित प्रभाव ड्युटी से लेकर व्यक्तिगत जीवन शैली मे दिखाई देता है। ''संवाद''कार्यक्रम की शुरूवात इन्ही समस्याओं को समय रहते पहचानने के लिए एवं बेहतर मानसिक स्वास्थ्य बनाने के लिए किया जा रहा रहा है। संवाद के दौरान ग्रुप सेशन के माध्यम से टीम बिल्डींग एक्टिविटी एवं सकारात्मक वातावरण निर्माण करने का प्रयास की जा रही है। इस

कार्यक्रम में पुलिस कर्मीयों के साथ-साथ पुलिस परिवार को भी शामील किया गया है।सम्पूर्ण अभियान में जिला चिकित्यालय के मानसिक विशेषज्ञ, स्वास्थ्य टीम का अमुल्य योगदान रहा है।

कलेक्टर ने समाधान शिविर की तैयारियों का जायजा लेने विभिन्न गांव का किया दौरा

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बीएस उइके ने 5 मई से आयोजित होने वाले समाधान शिविरों की तैयारियों का जायजा लेने छुरा क्षेत्र के रसेला, मुड़ागांव, चरौदा एवं मड़ेली पहुंचे। उन्होंने सभी जगह के शिविर स्थलों में जाकर आवश्यक तैयारियों का निरीक्षण किया।उन्होंने सभी जगह छायेदार स्थानों को शिविर के लिए चिन्हांकित कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि शिविर स्थलों में व्यवस्थित रूप से सभी तैयारियां सुनिश्चित कर ली जाये। गर्मी के मौसम को देखते हुए छायेदार जगहों में ही शिविर आयोजित की जाये।साथ ही शिविर में आने वाले लोगों के लिए पानी एवं पर्याप्त बैठक व्यवस्था की भी तैयारी सुनिश्चित कर ले।उन्होंने इसके लिए संबंधित क्षेत्र के एसडीएम और जनपद पंचायत सीईओ को नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये। इस दौरान अपर कलेक्टर नवीन भगत,छुरा एसडीएम नेहा भेड़िया सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

कवर्धा शहर में रात तीन बजे से 150 जवानों की गहन काम्बिंग गश्त, संदिग्धों पर कसा शिकंजा

किराएदार सत्यापन नहीं कराने पर मकान मालिकों को दी चेतावनी

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले में अपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस ने 150 जवानों के साथ बुधवार तड़के एक बड़ा और योजनाबद्ध अभियान चलाया। यह सघन कॉम्बिंग गश्त अभियान उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर पुलिस महानिरीक्षक, राजनांदगांव अभिषेक शांडिल्य के मार्गदर्शन में संचालित किया गया। जिले के पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में इस विशेष ऑपरेशन में जिले के 10 थानों से चयनित कुल 150 पुलिस अधिकारी व जवान शामिल हुए। अभियान की शुरुआत रात 3 बजे ही कर दी गई, जिससे किसी भी

असामाजिक तत्व को पुलिस की कार्रवाई की पूर्व सूचना न मिल सके।

गश्त के दौरान शहर के सभी प्रमुख इलाकों, गली-मोहल्लों, स्लम क्षेत्रों, होटल-ढाबों, किराए के मकानों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर बारीकी से तलाशी ली गई। पुलिस दलों ने घर-घर दस्तक देकर किराएदारों, बाहरी व्यक्तियों और बिना पहचान के रह रहे लोगों की गहन जांच की। इस कार्रवाई में अब तक 40 से अधिक ऐसे संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की गई है, जो बिना किसी वैध दस्तावेजों के रह रहे थे या जिनकी पहचान स्पष्ट नहीं हो पा रही थी। इन सभी को पूछताछ हेतु थाने लाया गया है तथा उनके दस्तावेजों और गतिविधियों की जांच की जा रही है।

इस दौरान यह भी सामने आया कि शहर के कई मकान मालिकों ने किरायेदारों का विधिवत सत्यापन नहीं कराया है। ऐसे मकानों में बाहरी और संदिग्ध प्रवृत्ति के लोग रह रहे थे, जिसकी जानकारी मकान मालिकों द्वारा छुपाई गई थी। पुलिस ने ऐसे मकान मालिकों से पूछताछ कर स्पष्ट निर्देश दिया है कि भविष्य में बिना पुलिस सत्यापन के किसी को किराये पर न रखें, अन्यथा उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। यह पहल न केवल सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है, बल्कि समाज में अपराधियों की घुसपैठ रोकने के लिए भी अनिवार्य है। उन्होने बताया कि गुप्त सूचनाओं और तकनीकी माध्यमों से प्राप्त जानकारी के आधार पर कई पुराने अपराधियों को चिन्हित किया गया और पूछताछ हेतु हिरासत में लिया गया है। इस दौरान पुलिस ने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी तत्व कानून की पकड़ से बाहर न रहे और जिले में शांति एवं सुरक्षा का माहौल और मजबूत हो। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि यह अभियान जिले को अपराधमुक्त वातावरण प्रदान करने की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे औचक और सघन तलाशी अभियान आगे भी नियमित रूप से संचालित किए जाएंगे, ताकि असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि गश्त के दौरान कुछ ऐसे लोग भी सामने आए हैं, जिनकी गतिविधियां संदेहास्पद रही हैं। उनके बारे में विस्तृत जांच जारी है और आवश्यकता पड़ने पर विधिक कार्रवाई भी की जाएगी।

आंधी तूफान तो शांत हुआ लेकिन छोड़ गया तबाही का मंजर

■ पाटन के खोरपा में पूर्व पार्षद के के घर का छप्पर उड़ा, धान भी भींग गया, शेड सड़क पर जा गिरी

बलराम यादव

पाटन। 1 मई गुरुवार शाम को तेज आंधी तूफान के साथ झमाझम बारिश हुई। हालांकि अभी आंधी तूफान और बारिश तो थम गया है लेकिन अपने पीछे बहुत से मंजर छोड़कर चला गया है । किसी का पूरा घर का शेड ही उखड़ कर बाहर गिर गया है तो किसी के घर पर पेड़ गिर गया है। आलम यह है कि मुख्य सड़क पर भी कई जगह पेड़ गिरने से लोगों का आवागमन भी बाधित होने की खबर है।। हालांकि स्थानीय लोगों ने पेड़ को गाड़ी चलने के लायक हटाकर यातायात शुरू कराया। नगर पंचायत के खोरपा वार्ड के पूर्व पार्षद लीलेश वर्मा के घर में लगे शेड पूरा उखड़ गया और मुख्य सड़क पर जा गिरा। उसके घर पर पानी भर गया साथ ही साथ उनके जो खाने के लिए धान रखे थे वह भी भीग गया है। इसी तरह से पाटन के अन्य हिस्सों में भी घरों के शेड के उड़ने व छोटे-मोटे पेड़ के गिरने की जानकारी मिली है । बिजली व्यवस्था भी बाधित है। तेज हवा तूफान के कारण कई जगह से बिजली तार पर पेड़ के गिरने से टूटने की भी खबर है। वहीं कई जगह खंभा गिरने की जानकारी मिल रही है। हालांकि बिजली विभाग का मैदानी हमला तत्परता से फाल्ट ढूंढने में लगे हुए हैं। आंधी तूफान इतनी तेज थी कि कई बड़े से बड़े पेड़ भी धराशाई हो गया है।

संक्षिप्त-खबर

खेलो इंडिया चयन ट्रायल में मर्रा-पाटन की बालिका कबड्डी खिलाड़ियों की भागीदारी

पाटन। छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा राज्य शासन द्वारा संचालित अकादमियों में प्रवेश हेतु चयन ट्रायल का आयोजन 29 एवं 30 अप्रैल 2025 को स्व. बी. आर. यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र बहतराई जिला बिलासपुर में किया गया था। इस चयन ट्रायल में खेलो इंडिया लघु केंद्र मर्रा-पाटन की 13 से 17 वर्ष आयु वर्ग की बालिका कबड्डी खिलाड़ियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक श्री विलियम लकड़ा से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रतिभागी बालिकाओं कु. जान्हवी, प्रियंका, दिप्ती, पूर्वी, दिव्या ठाकुर, सृष्टि गोस्वामी, योगेश्वरी, किंजल एवं पुर्वी भुवाल तथा दल को खेलो इंडिया प्रशिक्षक श्री भरत लाल ताम्रकार एवं श्री प्रदीप भुवाल के मार्गदर्शन में ट्रायल हेतु सम्मिलित कराया गया। इस अवसर पर सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग श्री लकड़ा, श्री भूपेन्द्र हिरवानी, श्री संतोष यादव (पी.टी.आई.) तथा श्री ईश्वरी लाल देशमुख द्वारा खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित किया गया एवं उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गईं।

कमला कॉलेज में चतुर्थ सेमेस्टर समाजशास्त्र की छात्राओं का बिदाई समारोह संपन्न

राजनांदगांव। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में दिनांक 29.04.2025 को समाजशास्त्र विभाग के चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं का विदाई समारोह विभाग की द्वितीय सेमेस्टर की छात्राओं के द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि संस्था के प्राचार्य डॉक्टर आलोक मिश्रा विशेष अतिथि के रूप में अंग्रेजी विभाग की प्रमुख डॉ. (श्रीमती) एचके गरचा सहायक प्राध्यापक, राजनीति विभाग से सुश्री आबेदा बेगम सहायक प्राध्यापक और समाजशास्त्र विभाग से डॉ. उषा सोनवानी अतिथि व्याख्याता, सुरेन्द्र कुमार पटले अतिथि व्याख्याता, कु. गीता साहू जनभागीदारी शिक्षक उपस्थित थे। कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले जिसमें 28 भारतीय नागरिक शहीद हो गए उन्हें 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का संचालन ललिता वर्मा ने किया। साथ ही आभार प्रदर्शन डॉ. उषा सोनवानी ने किया।

अवैध रेत उत्खनन और परिवहन को लेकर 11 ग्राम पंचायतों को नोटिस

अनुविभागीय अधिकारी पैंकरा ने दिया नोटिस

महासमुंद(समय दर्शन)। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं सक्षम अधिकारी महासमुंद श्री हरिशंकर पैंकरा ने महासमुंद अनुविभाग अंतर्गत शामिल 11 ग्राम पंचायतों के सरपंच और समस्त पंचों को नोटिस जारी कर कहा है कि ग्राम पंचायत के सीमा क्षेत्र के नदी नाले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। जिस पर तत्काल रोक लगाएं उन्होंने ग्राम पंचायत बरबसपुर, कनेकेरा, गढ़सिवनी, अछोला, लहंगर, पीढ़ी, अमलोर, चूहरी, सिरपुर, चिंगरौद और पासिद के सरपंच को नोटिस जारी कर कहा है कि यह संज्ञान में आ रहा है आपके ग्राम पंचायत अंतर्गत नदी/नाले में अवैध रूप से रेत उत्खनन एवं परिवहन किया जा रहा है। छ0ग0 पंचायत राज अधिनियम 1993 तथा गौण खनिज नियम, 1996 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत अर्न्तगत स्थित शासकीय संपत्तियों की सुरक्षा एवं संवर्धन की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत की है। आपके द्वारा अपने दायित्वों का निर्वहन दृढता पूर्वक नहीं किया जा रहा है, लापरवाही बरती जा रही है, जिससे की शासकीय राशि की हानि हो रही है। अत: अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाना सुनिश्चित करे अन्यथा आपके विरूद्ध छ0ग0 पंचायत राज अधिनियम 1993 के अन्तर्गत धारा 39/40 के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी। आदेश में 8 मई को सुबह 11 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर दस्तावेजमय सहित अपना पक्ष रखने कहा गया है, नहीं तो एक पक्षीय कारवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री विनय लंगेह के निर्देशानुसार जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर सतत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। खनिज एवं राजस्व विभाग द्वारा लगातार ऐसे मामलों में कार्रवाई की जा रही है।

बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग को लेकर विभाग के दफ्तर पहुंचे लहरौदवासी

■ बसना विधायक के प्रयास से कर्मचारी कालोनी लहरौद मे 100 केव्ही ट्रांसफार्मर लगा

पिथौरा (समय दर्शन)। कर्मचारी काँलोनी लहरौद मे बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग को लेकर कॉलोनी व लहरौदवासी बिजली विभाग के दफ्तर पहुंचे ।

कर्मचारी कॉलोनी लहरौद मे हो रहे बिजली के आँख मिचौली को लेकर आज कॉलोनी व लहरौद वासी बिजली दफ्तर पहुंचे थे। बिजली विभाग के दफ्तर मे बिजली विभाग के अधिकारी से मिलकर कॉलोनी मे 65 केवी बिजली ट्रांसफार्मर को बदल कर 100 केवी ट्रांसफार्मर लगाने अधिकारी को मांग की गई। यहाँ पाण्डे आटा चक्की के पास सड़क के बीचोबीच बिजली के खंभे को हटाने व दाशरती नायक के घर के सामने वाले लाईन को 3 फेस केबल बिछाने व बीके रेस्टोरेन्ट के पास बिजली खंभा को हटाने के संबंध मे बिजली विभाग के अधिकारी से चर्चा की गई ।

विभाग के द्वारा टालमटोल किया जा रहा था। कॉलोनी वासियो ने क्षेत्र के विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल से दूरभाष से बात कर अपनी समस्या बतायें । क्षेत्रीय विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल ने तुरंत संबंधित अधिकारी से बात कर जनसुविधा को ध्यान में रखकर कार्य करने के निर्देश दिए। जिसपर अधिकारी ने तत्काल 100केवी बिजली ट्रांसफर लगाने की सहमती प्रदान कर ट्रांसफार्मर लगाने की कार्यवाही की ।

समस्या को लेकर क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य एवं सभापति श्री मती रामदुलारी सिताराम सिन्हा , ग्राम पंचायत लहरौद सरपंच प्रतिनिधि अनिल सोई

कॉलोनी के प्रमुख मधु मंहती, कर्मचारी नेता पुनित सिन्हा ,केडी नाग, ग्राम पंचायत लहरौद के उप सरपंच रमेश सिन्हा, दिनेश कालसा, कौसल साहु, भोई सर ,बरीहा सर सहित कॉलोनी वासी उपस्थित थे ।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बसना में हुआ समर कैम्प का शुभारंभ

बसना (समय दर्शन)। बसना प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय साँई विहार कालोनी मे समय समय पर देश काल परिस्थिति के अनुरूप विविध धार्मिक, सामाजिक जनजागरण के कार्यक्रम सदैव संचालित होते रहते हैं ।यहाँ ब्रम्हकुमारी प्रीति दीदी के कुशल मार्गदर्शन में प्रत्येक मास पूर्णिमा व तीज त्यौहारों ,होली दीपावली,शिव रात्रि, 15 अगस्त, 26 जनवरी जैसे विशेष अवसर पर देश व राष्ट्र प्रेम से संबंधित व्याख्यान, क्वीज,संगीत,धार्मिक वाविध अनुष्ठान एवं प्रेरक सत्संग, सभा,मोटीवेशनल प्रेरक अनेक कार्य संपादित होते रहते हैं । प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी संस्थान शिक्षाविद सेवा प्रभाग द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए साईं विहार कालोनी बसना स्थित आश्रम में 1 मई 2025 से 9 मई 2025 तक समर कैम्प का आयोजन किया गया है जिसका शुभारंभ आज किया गया। नैतिक मूल्यों जैसे अनुशासन, ईमानदारी इन विषयों पर बच्चों को कानून के साथ धर्म और समाज के प्रति जागरूक करने धर्म ग्रंथों, पुराणों एवं प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से समझाया गया । इस दौरान पहले ही दिन बच्चों की उपस्थिति 50 थी । प्रारंभिक सत्र मे मुख्य रूप से अग्रवाल सभा के मनोज अग्रवाल, बीके हेमराज ,बीके श्रीधर ,बीके खेमराज, डीके सपना एवं बीके अमृता उपस्थित थी।

शासकीय भूमि गौठान पर अवैध अतिक्रमण हटाये जाने का निर्देश

■ उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार पटवारी ने जांच कर प्रस्तुत किया प्रतिवेदन

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड के ग्राम बरोली स्थित शासकीय भूमि गौठान पर एक व्यक्ति के द्वारा अवैध कब्जा कर निर्माण किये जा रहे मकान को रोकने हेतु राजस्व विभाग के द्वारा अवैध अतिक्रमण को मुक्त किये जाने का कदम उठाया गया है ।

बता दें कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के द्वारा पूरे छत्तीसगढ़ में नरवा,गरवा घुरवा अऊ बारी के संरक्षण हेतु प्रत्येक पंचायत में गौवंश को सुरक्षित रखने गौठान का निर्माण किया गया है। बसना विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बरोली में गौठान के लिए एक एकड़ जमीन आरक्षित कर निर्माण कार्य कराया गया था, परन्तु निर्माण कार्य अभी भी अधूरा है। पूर्व के भूपेश सरकार ने एक अच्छे सोच से लावारिस हालत में घूम रहे मवेशियों को सुरक्षित रखने हेतु गौठान योजना लागू किया था। जमीनी स्तर पर यह योजना सफल नहीं हो पाया,, लेकिन अतिक्रमण कारियों के द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के आबंटित शासकीय भूमि को कब्जा करने जरा भी नहीं सोचा कि भविष्य में क्या होगा ? ग्राम पंचायत बरोली में गौठान की शासकीय भूमि पर निर्मल सिदार के द्वारा अवैध अतिक्रमण किया जा रहा था। अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए राजस्व विभाग के जांच दल के द्वारा जांच कर तहसीलदार को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है ।जैसे ही नव निर्वाचित सरपंच को पता चला कि गौठान के लिए आरक्षित भूमि है। ग्राम पंचायत बरोली के सरपंच के द्वारा अवैध अतिक्रमण को हटाने का नोटिस जारी कर विभागीय अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

ग्राम पंचायत के अधिकार : गौठान की शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण हटाने का पंचायत को भी अधिकार प्राप्त है।

उल्लेखनीय है कि, गौठान की शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा होने पर छत्तीसगढ़ राज पंचायत अधिनियम 1993 के तहत् ग्राम पंचायत को अतिक्रमण हटाने का अधिकार है।?पंचायत की धारा 56 के तहत कार्रवाई कर सकता है। पंचायत राज अधिनियम में प्रावधान है ।

पंचायत में प्रस्ताव कर हटाने की कार्रवाई की जा सकती है। ?छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 के तहत् गांव की सार्वजनिक भूमि का प्रबंधन व उसमें अतिक्रमण रोकने का दायित्व छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा ग्राम पंचायत को दिया गया है।

ग्राम पंचायत स्तर मे सर्वजन सुखाय की भावना को लेकर काम कर रहे हैं,गौठान के लिए आरक्षित शासकीय भूमि का रखरखाव करना हमारा कर्तव्य है । इस संबंध मे संबंधित अधिकारियों के मार्ग दर्शन में उचित कार्यवाही का इन्तजार है ।

उचित कार्यवाही का इन्तजार है ।
श्रीमती सरोजिनी कौशिक
सरपंच
ग्राम पंचायत बरोली

ग्राम पंचायत बरोली स्थित गौठान हेतु आरक्षित भूमि पर अतिक्रमण की जानकारी प्राप्त हुई है ।

पटवारी प्रतिवेदन पश्चात नायब तहसीलदार जांच कर रहे हैं,, नियमानुसार उचित कार्यवाही करते हुए अतिक्रमण हटायी जावेगी।

सुश्री ममता ठाकुर
तहसीलदार बसना

अग्निवीर लिखित परीक्षार्थियों के लिए 2 मई को सेमीनार गर्ल्स कॉलेज में

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी। धमतरी जिले के ऐसे युवा जो अग्निवीर लिखित परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग धमतरी द्वारा दो मई को सेमीनार का आयोजन किया जाएगा। शासकीय नारायण राव मेघावाले कन्या महाविद्यालय धमतरी में सुबह साढ़े 10 बजे से आयोजित इस सेमीनार में परीक्षार्थियों के लिए ब्रीफिंग के तौर पर लिखित परीक्षा से संबंधित जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा परीक्षार्थियों के शंका का समाधान किया जाएगा और प्रश्नोत्तरी भी होगी। इस सेमीनार में आगामी जून 2025 में आयोजित परीक्षा में शामिल होने वाले युवा सम्मिलित हो सकते हैं।

यह सेमीनार जिले के उन युवाओं को ध्यान में रखकर आयोजित की जा रही है, जो पहली बार लिखित परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं और उनके मन में परीक्षा के प्रश्नों का सिलेबस, माईनस मार्किंग, ब्लूप्रिंट संबंधी शंका बनी रहती है। इसका असर उनके परीक्षा परिणाम पर पड़ता है। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी द्वारा अपील की गई है कि परीक्षार्थी विभाग द्वारा आयोजित सेमीनार में आकर विषय विशेषज्ञ, पूर्व सैन्य अधिकारी द्वारा दी जाने वाली महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, ताकि परीक्षा के लिए सही मार्गदर्शन मिल सके। इस सेमीनार में आने वाले परीक्षार्थियों को फॉर्म भरने के बाद की पावती साथ लाने भी कहा गया है।

भिलाई में 03 दिवसीय लोकार्पण स्थानीय कला सम्मान में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए पद्मश्री डॉ आर एस बारले

■ कार्यक्रम के प्रथम दिवस में लोक कलाकार रोहित कुमार कोसरिया मुख्य अतिथि के रूप में रहे शामिल

भिलाई (समय दर्शन)। स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई में दिनांक 28, 29 एवं 30 अप्रैल 2025 को तीन दिवसीय ("Lokarpan" a Tribute to Local Arts) लोकार्पण-स्थानीय कला को सम्मान का कार्यक्रम विश्वविद्यालयीन स्तरीय पर विद्यार्थियों में स्थानीय कला जागृत करने उन्हें सम्मानित करने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई से संबद्ध लगभग 195 महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। लोकार्पण स्थानीय कला सम्मान कार्यक्रम के प्रथम दिवस चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें मुख्य अतिथि एवं चित्रकला प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में लोक कलाकार रोहित कुमार कोसरिया उपस्थित रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रा छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं निदेशक के हाथों मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया तथा समस्त प्रतिभागी विद्यार्थियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। द्वितीय एवं तृतीय दिवस लोक गायन एवं डांस प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया था । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोक कला सम्राट पद्मश्री डॉ आर एस बारले , विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध लोक कलाकार रिखी खत्री शामिल रहे। छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न लोक कला गायन, आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि, विशिष्ट तथा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, माननीय कुल सचिव, माननीय निदेशक वि वि शिक्षण विभाग, कार्यक्रम प्रभारी के साथ साथ उपस्थित समस्त प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक गणों द्वारा समस्त विद्यार्थियों को बधाई एवं उनकी उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छ. ग. स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति मान. डॉ. सच्चिदानंद मिश्रा , कुलसचिव मान. अंकित अरोरा , निदेशक वि वि शिक्षण विभाग डॉ. पंकज कुमार मिश्रा , कार्यक्रम प्रभारी डॉ. तोरण वर्मा , प्राध्यापक डॉ. रोहित कुमार मिरी , डॉ. शेष कुमार साहू के द्वारा भी समस्त विद्यार्थियों को विशेष मार्गदर्शन प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय परिवार के समस्त अधिकारी, कर्मचारियों तथा प्रतिभागी छात्र छात्राओं को बहुत बहुत धन्यवाद के साथ आभार व्यक्त करते हैं।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24